

अनुबंध-1
(पैराग्राफ सं. 1.7 के संदर्भ में)
राज्यों में नमूना चयन का विवरण

क्र.सं.	राज्य/सं.शा.क्षे.	चयनित जिले	चयनित विद्यालयों/केंद्रों
1.	आंध्र प्रदेश	4	120
2.	अरुणाचल प्रदेश	3	90
3.	असम	4	120
4.	बिहार	6	180
5.	छत्तीसगढ़	4	120
6.	गोवा	2	60
7.	गुजरात	4	120
8.	हरियाणा	3	90
9.	हिमाचल प्रदेश	2	60
10.	जम्मू एवं कश्मीर		संयुक्त निदेशक (योजना) तथा सचिव द्वारा अनुरक्षित किए जा रहे राज्य स्तर के अभिलेखों की जाँच परीक्षा की जाती थी तथा राज्य में बाढ़ की स्थिति के कारण संचालित नहीं की जा सकी थी।
11.	झारखंड	4	120
12.	कर्नाटक	4	120
13.	केरल	2	60
14.	मध्य प्रदेश	10	300
15.	महाराष्ट्र	5	150
16.	मणिपुर	2	60
17.	मेघालय	2	60
18.	नागालैंड	2	60
19.	ओडिशा	5	150
20.	पंजाब	3	90
21.	राजस्थान	5	150
22.	सिक्किम	2	60
23.	तमिलनाडु	5	150
24.	त्रिपुरा	2	96
25.	उत्तराखंड	2	60
26.	उत्तर प्रदेश	12	360
27.	पश्चिम बंगाल	3	90
28.	अं.एवं नि. द्वीप समूह	2	60
29.	चंडीगढ़	1	30

मध्याह्न भोजन योजना की निष्पादन लेखापरीक्षा

2015 की प्रतिवेदन सं. 36

30.	दा.एवं.ना.हवेली	1	30
31.	दमन एवं दीव	1	30
32.	दिल्ली	2	60
33.	लक्षद्वीप	2	10
34.	पुदुचेरी	2	60
	कुल	113	3376

अनुबंध-II

(पैराग्राफ सं. 2.2 तथा 2.6 के संदर्भ में)

2009-10 से 2013-14 के दौरान बच्चों के नामांकन तथा प्राथमिक एवं उच्चतर प्राथमिक स्तर पर आवृत्त का राज्य वार विवरण

क्र.सं.	राज्य/सं.शा.क्षे	वर्ष	नामांकित बच्चों की सं.		कुल	एम.डी.एम. के अंतर्गत आवृत्त बच्चों की सं.		कुल	प्रतिशतता
			प्राथमिक	उच्चतर प्राथमिक		प्राथमिक	उच्चतर प्राथमिक		
1.	आंध्र प्रदेश	2009-10	4546650	2496615	7043265	3985837	2122125	6107962	87
		2010-11	4590771	2496615	7087386	4075385	2228854	6304239	89
		2011-12	4227205	2149089	6376294	3700179	1961430	5661609	89
		2012-13	4123057	2030011	6153068	3469144	1526575	4995719	81
		2013-14	3985038	2322594	6307632	3605071	2000840	5605911	89
2.	अरुणाचल प्रदेश	2009-10	201463	68100	269563	118285	56094	174379	65
		2010-11	201855	70747	272602	200018	68984	269002	99
		2011-12	201755	72476	274231	198952	69522	268474	98
		2012-13	202620	74111	276731	195621	71472	267093	97
		2013-14	192846	73825	266671	189098	70338	259436	97
3.	असम	2009-10	3244364	1787857	5032221	2922148	1210470	4132618	82
		2010-11	3518294	2188166	5706460	2994566	1521318	4515884	79
		2011-12	3649013	1611448	5260461	3139869	1553979	4693848	89
		2012-13	3445133	1635059	5080192	3177819	1467336	4645155	91
		2013-14	3394936	1598940	4993876	3074194	1448612	4522806	91
4.	बिहार	2009-10	14476688	4271215	18747903	8789645	2451691	11241336	60
		2010-11	14476688	4221661	18698349	7832405	2045212	9877617	53
		2011-12	15253464	5244628	20498092	6872599	2009843	8882442	43
		2012-13	14195644	5365579	19561223	9844873	3347395	13192268	67
		2013-14	14151915	5767204	19919119	9720470	3738691	13459161	68
5.	छत्तीसगढ़	2009-10	2925817	1141534	4067351	2199551	827670	3027221	74
		2010-11	3156343	1366404	4522747	2718490	1142558	3861048	85
		2011-12	3170011	1341239	4511250	2633643	1117355	3750998	83
		2012-13	2462193	1414078	3876271	2216987	1188043	3405030	88
		2013-14	2308729	1398861	3707590	1977681	1190038	3167719	85
6.	गोवा	2009-10	74773	89679	164452	74496	88712	163208	99
		2010-11	99791	69239	169030	93893	62823	156716	93
		2011-12	95860	69718	165578	91324	62528	153852	93
		2012-13	93749	70735	164484	89756	62608	152364	93
		2013-14	92645	68438	161083	92396	60369	152765	95
7.	गुजरात	2009-10	4605620	1515879	6121499	2933545	887055	3820600	62
		2010-11	4356569	1811665	6168234	2889045	988650	3877695	63
		2011-12	4367392	1906624	6274016	2938041	1172681	4110722	66
		2012-13	4225492	2052697	6278189	2961157	1400542	4361699	69
		2013-14	3859101	2281273	6140374	2806248	1493555	4299803	70
8.	हरियाणा	2009-10	1529978	693988	2223966	1369026	624589	1993615	90
		2010-11	1478887	687805	2166692	1371801	633879	2005680	93
		2011-12	1449617	699807	2149424	1423062	685757	2108819	98

2015 की प्रतिवेदन सं. 36

		2012-13	1409458	731655	2141113	1381268	708995	2090263	98
		2013-14	1260814	772984	2033798	1229138	753372	1982510	97
9.	हिमाचल प्रदेश	2009-10	445093	330170	775263	430669	310345	741014	96
		2010-11	426658	314611	741269	411894	303856	715750	97
		2011-12	408900	296813	705713	385179	276772	661951	94
		2012-13	382729	269926	652655	371632	263812	635444	97
		2013-14	364957	260537	625494	334387	236859	571246	91
10.	जम्मू एवं कश्मीर	2009-10	895367	405125	1300492	742732	313394	1056126	81
		2010-11	870717	421041	1291758	571120	268924	840044	65
		2011-12	856793	417321	1274114	522807	247086	769893	60
		2012-13	809672	408677	1218349	484785	246750	731535	60
		2013-14	742300	359202	1101502	706570	328499	1035069	94
11.	झारखंड	2009-10	4688484	1346315	6034799	3032637	998945	4031582	67
		2010-11	4321982	1388713	5710695	2451496	780425	3231921	57
		2011-12	4083227	1452968	5536195	2400915	815061	3215976	58
		2012-13	3878324	1497036	5375360	2300380	856838	3157218	59
		2013-14	3775843	1504465	5280308	2082159	775852	2858011	54
12.	कर्नाटक	2009-10	4008796	2274289	6283085	3498602	2004333	5502935	88
		2010-11	3658212	2145220	5803432	3292284	1924686	5216970	90
		2011-12	3528193	2097991	5626184	3321907	1956890	5278797	94
		2012-13	3405362	2091643	5497005	3070828	1875916	4946744	90
		2013-14	3406736	2090854	5497590	3155435	1907206	5062641	92
13.	केरल	2009-10	1870576	1361265	3231841	1793789	1108415	2902204	90
		2010-11	1842832	1333357	3176189	1699651	1081966	2781617	88
		2011-12	1702348	1296474	2998822	1622338	1064741	2687079	90
		2012-13	1643914	1222619	2866533	1563844	1068693	2632537	92
		2013-14	1542347	1027061	2569408	1542345	1027060	2569405	100
14.	मध्य प्रदेश	2009-10	7981500	3106522	11088022	6463251	2540333	9003584	81
		2010-11	7809296	3309664	11118960	6135265	2520678	8655943	78
		2011-12	7352733	3449546	10802279	5545762	2538480	8084242	75
		2012-13	7352733	3449546	10802279	5208267	2611387	7819654	72
		2013-14	6490497	3471829	9962326	5084781	2627938	7712719	77
15.	महाराष्ट्र	2009-10	8761094	4812160	13573254	7980928	4206833	12187761	90
		2010-11	8480928	4902345	13383273	6834807	3799392	10634199	79
		2011-12	8480971	4902312	13383283	6940756	3927395	10868151	81
		2012-13	8132569	4849340	12981909	6569543	3883475	10453018	81
		2013-14	7405477	4623929	12029406	6547619	4073014	10620633	88
16.	मणिपुर	2009-10	210692	57992	268684	185570	40148	225718	84
		2010-11	193111	41217	234328	189634	40501	230135	98
		2011-12	189866	41935	231801	162060	35794	197854	85
		2012-13	187622	42933	230555	150098	34346	184444	80
		2013-14	189482	43295	232777	151412	34651	186063	80
17.	मेघालय	2009-10	377079	131725	508804	347093	124645	471738	93
		2010-11	434482	134666	569148	338268	121510	459778	81
		2011-12	430846	169776	600622	363472	121017	484489	81
		2012-13	407997	157970	565967	391441	136818	528259	93
		2013-14	407997	157970	565967	382206	136528	518734	92

मध्याह्न भोजन योजना की निष्पादन लेखापरीक्षा

18.	मिजोरम	2009-10	107439	53854	161293	100452	50117	150569	93
		2010-11	109749	54184	163933	100969	50749	151718	93
		2011-12	133511	49463	182974	116083	51065	167148	91
		2012-13	130463	49746	180209	120026	45766	165792	92
		2013-14	123971	50547	174518	114054	46503	160557	92
19.	नागालैंड	2009-10	210268	63099	273367	179306	42062	221368	81
		2010-11	230010	67051	297061	209151	61993	271144	91
		2011-12	220829	56327	277156	207863	52843	260706	94
		2012-13	209822	51140	260962	209822	51140	260962	100
		2013-14	220457	57159	277616	208724	51096	259820	94
20.	ओडिशा	2009-10	3961686	1726012	5687698	3868417	1657375	5525792	97
		2010-11	4129953	1933347	6063300	3711317	1515835	5227152	86
		2011-12	4038760	1882928	5921688	3370951	1466110	4837061	82
		2012-13	3835632	2006030	5841662	3586563	1542619	5129182	88
		2013-14	3835632	2003994	5839626	3392144	1737517	5129661	88
21.	पंजाब	2009-10	1325592	751083	2076675	1165947	689894	1855841	89
		2010-11	1301895	779104	2080999	1085764	667896	1753660	84
		2011-12	1337964	788201	2126165	1128592	681754	1810346	85
		2012-13	1284134	819131	2103265	1141622	618490	1760112	84
		2013-14	1230991	793349	2024340	1057562	663791	1721353	85
22.	राजस्थान	2009-10	5410877	2082824	7493701	4099097	1883279	5982376	80
		2010-11	5280753	2059803	7340556	3952440	1828958	5781398	79
		2011-12	5280741	2059803	7340544	3921838	1843392	5765230	79
		2012-13	5199533	2158162	7357695	3664153	1403446	5067599	69
		2013-14	4895026	2073535	6968561	3903739	1743424	5647163	81
23.	सिक्किम	2009-10	67707	28791	96498	62196	27236	89432	93
		2010-11	72846	29787	102633	67067	27788	94855	92
		2011-12	64920	34784	99704	59851	30731	90582	91
		2012-13	51064	36686	87750	51064	32896	83960	96
		2013-14	57357	36715	94072	51701	32890	84591	90
24.	तमिलनाडु	2009-10	3577489	2303631	5881120	3203605	1823238	5026843	85
		2010-11	3251355	2212604	5463959	2699771	1574944	4274715	78
		2011-12	3215198	2310101	5525299	2504239	1624999	4129238	75
		2012-13	3028036	2367004	5395040	2663943	2054975	4718918	87
		2013-14	3058766	2442603	5501369	2699500	2111234	4810734	87
25.	त्रिपुरा	2009-10	449353	209344	658697	321557	147064	468621	71
		2010-11	382137	209111	591248	296982	138111	435093	74
		2011-12	370566	206951	577517	302871	139748	442619	77
		2012-13	364480	227187	591667	276895	155602	432497	73
		2013-14	364480	227189	591669	225260	129860	355120	60
26.	उत्तराखंड	2009-10	670282	395550	1065832	527681	322870	850551	80
		2010-11	624441	386599	1011040	491275	310634	801909	79
		2011-12	593875	383751	977626	490631	316533	807164	83
		2012-13	554477	376350	930827	417021	284905	701926	75
		2013-14	536544	368283	904827	432858	299688	732546	81

2015 की प्रतिवेदन सं. 36

27.	उत्तर प्रदेश	2009-10	15865317	4480139	20345456	10030915	2682665	12713580	62
		2010-11	15170833	5832249	21003082	8685569	2628708	11314277	54
		2011-12	14505991	5872175	20378166	8479926	3130922	11610848	57
		2012-13	14087769	5892528	19980297	7638993	3072145	10711138	54
		2013-14	13805026	6004217	19809243	7732933	3223861	10956794	55
28.	पश्चिम बंगाल	2009-10	9577058	4689615	14266673	7048756	2167922	9216678	65
		2010-11	9503055	5079591	14582646	7050814	2452590	9503404	65
		2011-12	8945688	4740474	13686162	8070780	4109337	12180117	89
		2012-13	8417916	5038610	13456526	7879763	4322053	12201816	91
		2013-14	8147291	4880194	13027485	7742213	4476027	12218240	94
29.	अं. एवं नि. द्वीप समूह	2009-10	26684	19085	45769	21348	15552	36900	81
		2010-11	24169	17536	41705	19036	13413	32449	78
		2011-12	24169	17536	41705	18581	13164	31745	76
		2012-13	22657	16075	38732	16593	11384	27977	72
		2013-14	22885	16075	38960	17130	12227	29357	75
30.	चंडीगढ़	2009-10	70390	36848	107238	39130	22181	61311	57
		2010-11	70390	36848	107238	36232	21950	58182	54
		2011-12	66364	40169	106533	33982	19958	53940	51
		2012-13	66364	40169	106533	30009	16096	46105	43
		2013-14	66364	42454	108818	32047	18821	50868	47
31.	दा.एवं.ना. हवेली	2009-10	34053	10683	44736	26966	8295	35261	79
		2010-11	33445	16593	50038	24688	9881	34569	69
		2011-12	32445	17663	50108	24549	11518	36067	72
		2012-13	27139	18888	46027	21255	14389	35644	77
		2013-14	25447	19255	44702	20456	14700	35156	79
32.	दमन एवं दीव	2009-10	13179	4991	18170	10853	4374	15227	84
		2010-11	11992	7490	19482	9469	5829	15298	79
		2011-12	11916	7668	19584	9396	6053	15449	79
		2012-13	11837	7676	19513	8947	5859	14806	76
		2013-14	11385	7646	19031	8649	6093	14742	77
33.	दिल्ली	2009-10	1175365	698118	1873483	849401	468952	1318353	70
		2010-11	1169709	662339	1832048	731246	419086	1150332	63
		2011-12	1152596	668204	1820800	784768	448704	1233472	68
		2012-13	1161129	713378	1874507	760715	425840	1186555	63
		2013-14	1140732	711723	1852455	687787	438187	1125974	61
34.	लक्षद्वीप	2009-10	6791	3532	10323	6710	3482	10192	99
		2010-11	5999	4022	10021	5321	3714	9035	90
		2011-12	5684	4076	9760	5543	3942	9485	97
		2012-13	5412	4125	9537	5406	4114	9520	100
		2013-14	4605	3407	8012	4592	3226	7818	98
35.	पुदुचेरी	2009-10	55176	46396	101572	51922	39376	91298	90
		2010-11	53357	45446	98803	50337	37801	88138	89
		2011-12	45790	42421	88211	44066	35406	79472	90
		2012-13	40330	39431	79761	21130	31380	52510	66
		2013-14	35748	33420	69168	28614	29617	58231	84

2015 की प्रतिवेदन सं. 36

कुल	सम्पूर्ण भारत	2009-10	103448740	43494025	146942765	78482063	31971731	110453794	75
		2010-11	101343504	46336840	147680344	73327470	31304096	104631566	71
		2011-12	99495201	46402860	145898061	71837375	33602510	105439885	72
		2012-13	94856462	47225931	142082393	71961363	34844100	106805463	75
		2013-14	91154367	47595026	138749393	71041173	36942184	107983357	78

अनुबंध-III

(पैराग्राफ 2.7 के संदर्भ में)

राज्यों में संग्रहित तथा मंत्रालय द्वारा प्रतिवेदित आंकड़ों के बीच अनिर्तरता

क्र.सं.	राज्य/सं.शा.क्षे.	वर्ष	नामांकन (प्राथमिक तथा उच्चतर प्राथमिक स्तर)		अंतर(+) (-)	एम.डी.एम. में आवृत बच्चों		अंतर (+) (-)
			मंत्रालय द्वारा प्रदत्त	राज्यों में संग्रहित आंकड़े		मंत्रालय द्वारा प्रदत्त	राज्यों में संग्रहित आंकड़े	
1.	आंध्र प्रदेश	2009-10	7043265	7043265	0	6107962	5998715	109247
		2010-11	7087386	7087386	0	6304239	6381779	-77540
		2011-12	6376294	6376294	0	5661609	5762031	-100422
		2012-13	6153068	6345353	-192285	4995719	5255026	-259307
		2013-14	6307632	6257770	49862	5605911	5360701	245210
2.	अरुणाचल प्रदेश	2009-10	269563	269563	0	174379	245657	-71278
		2010-11	272602	272602	0	269002	272602	-3600
		2011-12	274231	274231	0	268474	274231	-5757
		2012-13	276731	276731	0	267093	276731	-9638
		2013-14	266671	266671	0	259436	260523	-1087
3.	असम	2009-10	5032221	5032221	0	4132618	3777900	354718
		2010-11	5706460	5706460	0	4515884	4133720	382164
		2011-12	5260461	5162466	97995	4693848	4721566	-27718
		2012-13	5080192	5080192	0	4645155	4890326	-245171
		2013-14	4993876	4993876	0	4522806	4671994	-149188
4.	बिहार	2009-10	18747903	18747902	1	11241336	10863293	378043
		2010-11	18698349	18814004	-115655	9877617	11370384	-1492767
		2011-12	20498092	20560199	-62107	8882442	10141985	-1259543
		2012-13	19561223	20056566	-495343	13192268	8910134	4282134
		2013-14	19919119	19919119	0	13459161	13034353	424808
5.	छत्तीसगढ़	2009-10	4067351	4067351	0	3027221	3081393	-54172
		2010-11	4522747	4522747	0	3861048	3792496	68552
		2011-12	4511250	4044606	466644	3750998	3736941	14057
		2012-13	3876271	3876271	0	3405030	3328242	76788
		2013-14	3707590	3722404	-14814	3167719	4104496	-936777
6.	गोवा	2009-10	164452	164492	-40	163208	164492	-1284
		2010-11	169030	169030	0	156716	169030	-12314
		2011-12	165578	165578	0	153852	165578	-11726
		2012-13	164484	164484	0	152364	164484	-12120
		2013-14	161083	161083	0	152765	161083	-8318
7.	गुजरात	2009-10	6121499	6121499	0	3820600	4044785	-224185
		2010-11	6168234	6168234	0	3877695	3922508	-44813
		2011-12	6274016	6597601	-323585	4110722	4173596	-62874
		2012-13	6278189	6420915	-142726	4361699	4354754	6945

		2013-14	6140374	6171536	-31162	4299803	4304511	-4708
8.	हिमाचल प्रदेश	2009-10	775263	775263	0	741014	775263	-34249
		2010-11	741269	741269	0	715750	741269	-25519
		2011-12	705713	687009	18704	661951	687009	-25058
		2012-13	652655	659249	-6594	635444	659249	-23805
		2013-14	625494	625494	0	571246	625494	-54248
9.	जम्मू एवं कश्मीर	2009-10	1300492	1164988	135504	1056126	1164988	-108862
		2010-11	1291758	1291758	0	840044	1291758	-451714
		2011-12	1274114	1000246	273868	769893	1000246	-230353
		2012-13	1218349	1050615	167734	731535	1050615	-319080
		2013-14	1101502	1094641	6861	1035069	1094641	-59572
10.	झारखंड	2009-10	6034799	6237110	-202311	4031582	3913334	118248
		2010-11	5710695	6034799	-324104	3231921	4031582	-799661
		2011-12	5536195	5710695	-174500	3215976	3225145	-9169
		2012-13	5375360	5535339	-159979	3157218	3656144	-498926
		2013-14	5280308	5357912	-77604	2858011	3978713	-1120702
11.	कर्नाटक	2009-10	6283085	6283085	0	5502935	5954377	-451442
		2010-11	5803432	5803432	0	5216970	5437333	-220363
		2011-12	5626184	5629941	-3757	5278797	5333684	-54887
		2012-13	5497005	5499216	-2211	4946744	5133634	-186890
		2013-14	5497590	5305703	191887	5062641	5198729	-136088
12.	केरल	2009-10	3231841	3218834	13007	2902204	2902204	0
		2010-11	3176189	3171823	4366	2781617	2779118	2499
		2011-12	2998822	2998822	0	2687079	2676214	10865
		2012-13	2866533	2866533	0	2632537	2632539	-2
		2013-14	2569408	2771165	-201757	2569405	2569408	-3
13.	महाराष्ट्र	2009-10	13573254	13573254	0	12187761	13492651	-1304890
		2010-11	13383273	13383273	0	10634199	13345379	-2711180
		2011-12	13383283	13074232	309051	10868151	12889554	-2021403
		2012-13	12981909	12515050	466859	10453018	12341929	-1888911
		2013-14	12029406	12029406	0	10620633	11962194	-1341561
14.	मणिपुर	2009-10	268684	268684	0	225718	225718	0
		2010-11	234328	234328	0	230135	229215	920
		2011-12	231801	231801	0	197854	196487	1367
		2012-13	230555	230555	0	184444	181384	3060
		2013-14	232777	232777	0	186063	186685	-622
15.	नागालैंड	2009-10	273367	273367	0	273367	223495	49872
		2010-11	297061	296061	1000	297061	221382	75679
		2011-12	277156	278192	-1036	277156	240000	37156
		2012-13	260962	269678	-8716	260962	260300	662
		2013-14	277616	266375	11241	277616	259285	18331
16.	ओडिशा	2009-10	5687698	5687698	0	5525792	5229051	296741
		2010-11	6063300	6063300	0	5227152	4687521	539631

2015 की प्रतिवेदन सं. 36

		2011-12	5921688	5921688	0	4837061	5443406	-606345
		2012-13	5841662	5817898	23764	5129182	5199164	-69982
		2013-14	5839626	5689666	149960	5129661	5421728	-292067
17.	पंजाब	2009-10	2076675	2007111	69564	1855841	1862899	-7058
		2010-11	2080999	2111366	-30367	1753660	1727366	26294
		2011-12	2126165	2098582	27583	1810346	1880946	-70600
		2012-13	2103265	2123283	-20018	1760112	1769171	-9059
		2013-14	2024340	2000023	24317	1721353	1616808	104545
18.	राजस्थान	2009-10	7493701	7493701	0	5982376	5593017	389359
		2010-11	7340556	7340556	0	5781398	5921159	-139761
		2011-12	7340544	7357695	-17151	5765230	5545314	219916
		2012-13	7357695	6968561	389134	5067599	5523997	-456398
		2013-14	6968561	6770832	197729	5647163	4651931	995232
19.	सिक्किम	2009-10	96498	96498	0	89432	90202	-770
		2010-11	102633	102633	0	94855	94949	-94
		2011-12	99704	99949	-245	90582	91396	-814
		2012-13	87750	93280	-5530	83960	84934	-974
		2013-14	94072	94334	-262	84591	85963	-1372
20.	तमिलनाडु	2009-10	5881120	6007070	-125950	5026843	4904646	122197
		2010-11	5463959	5044102	419857	4274715	4436343	-161628
		2011-12	5525299	5525299	0	4129238	4379223	-249985
21.	त्रिपुरा	2009-10	658697	658697	0	468621	658697	-190076
		2010-11	591248	634034	-42786	435093	634034	-198941
		2011-12	577517	591248	-13731	442619	591248	-148629
		2012-13	591667	577517	14150	432497	577517	-145020
		2013-14	591669	591669	0	355120	591669	-236549
22.	उत्तराखंड	2009-10	1065832	1141262	-75430	850551	1086194	-235643
		2010-11	1011040	1071532	-60492	801909	1071532	-269623
		2011-12	977626	1011040	-33414	807164	1011040	-203876
		2012-13	930827	977626	-46799	701926	977626	-275700
		2013-14	904827	930827	-26000	732546	930827	-198281
23.	उत्तर प्रदेश	2009-10	20345456	20345463	-7	12713580	20345463	-7631883
		2010-11	21003082	21003082	0	11314277	21003082	-9688805
		2011-12	20378166	20343102	35064	11610848	20343102	-8732254
		2012-13	19980297	20097201	-116904	10711138	20097201	-9386063
		2013-14	19809243	19824273	-15030	10956794	19824273	-8867479
24.	पश्चिम बंगाल	2009-10	14266673	13436806	829867	9216678	10768605	-1551927
		2010-11	14582646	14556572	26074	9503404	11889860	-2386456
		2011-12	13686162	13620955	65207	12180117	11672306	507811
		2012-13	13456526	13369801	86725	12201816	12169033	32783
		2013-14	13027485	12790445	237040	12218240	12322819	-104579
25.	अं. एवं नि. द्वीप समूह	2009-10	45769	45769	0	36900	32192	4708
		2010-11	41705	41705	0	32449	32450	-1
		2011-12	41705	40715	990	31745	31745	0

2015 की प्रतिवेदन सं. 36

		2012-13	38732	38732	0	27977	29791	-1814
		2013-14	38960	37553	1407	29357	29060	297
26.	चंडीगढ़	2009-10	107238	103622	3616	61311	59301	2010
		2010-11	107238	107238	0	58182	58182	0
		2011-12	106533	106533	0	53940	54404	-464
		2012-13	106533	106773	-240	46105	52565	-6460
		2013-14	108818	107458	1360	50868	51364	-496
27.	दा.एवं.ना. हवेली	2009-10	44736	44736	0	35261	31677	3584
		2010-11	50038	50038	0	34569	35807	-1238
		2011-12	50108	50199	-91	36067	36430	-363
		2012-13	46027	46027	0	35644	35838	-194
		2013-14	44702	44716	-14	35156	34806	350
28.	दमन एवं दीव	2009-10	18170	18170	0	15227	14869	358
		2010-11	19482	19482	0	15298	15340	-42
		2011-12	19584	19703	-119	15449	15548	-99
		2012-13	19513	19636	-123	14806	15336	-530
		2013-14	19031	19156	-125	14742	14404	338
29.	दिल्ली	2009-10	1873483	1873483	0	1318353	1311438	6915
		2010-11	1832048	1621208	210840	1150332	1167270	-16938
		2011-12	1820800	1820800	0	1233472	1238144	-4672
		2012-13	1874507	1874507	0	1186555	1218430	-31875
		2013-14	1852455	1845664	6791	1125974	1199682	-73708
30.	लक्षद्वीप	2009-10	10323	10323	0	10192	10154	38
		2011-12	9760	9542	218	9485	9485	0
		2012-13	9537	9503	34	9520	9450	70
		2013-14	8012	8015	-3	7818	7756	62
31.	पुदुचेरी	2009-10	101572	101572	0	91298	95028	-3730
		2010-11	98803	99249	-446	88138	88900	-762
		2011-12	88211	88211	0	79472	82210	-2738
		2012-13	79761	73016	6745	52510	71430	-18920
		2013-14	69168	66879	2289	58231	53667	4564

अनुबंध-IV

(पैराग्राफ 3.1 के संदर्भ में)

आवंटित अनाज तथा उठाये गये अनाज का राज्य वार विवरण

क्र.सं.	राज्य/सं.शा.क्षे.	वर्ष	नामांकित बच्चों की सं.		आवंटित अनाज (एम.टी. में)	उठाये गये अनाज (एम.टी. में)	उठाये जाने की प्रतिशतता
			प्राथमिक	उच्चतर प्राथमिक			
1.	आंध्र प्रदेश	2009-10	4546650	2496615	161014.37	160030.06	99.00
		2010-11	4590771	2496615	155279.01	140428.97	90.00
		2011-12	4227205	2149089	165489.00	157214.96	95.00
		2012-13	4123057	2030011	149793.25	128798.68	86.00
		2013-14	3985038	2322594	139256.85	130728.75	94.00
2.	अरुणाचल प्रदेश	2009-10	201463	68100	4233.48	2421.83	57.00
		2010-11	201855	70747	4544.67	5928.39	130.00
		2011-12	201755	72476	6677.00	7530.00	113.00
		2012-13	202620	74111	6611.00	6580.31	100.00
		2013-14	192846	73825	6625.00	6598.95	100.00
3.	असम	2009-10	3244364	178747	91284.45	60307.30	66.00
		2010-11	3518294	2188166	102808.06	88976.10	87.00
		2011-12	3649013	1611448	127802.00	100327.16	79.00
		2012-13	3445133	1635059	121752.26	95152.17	78.00
		2013-14	3394936	1598940	116360.10	99261.84	85.00
4.	बिहार	2009-10	14476688	4271215	285356.91	217651.22	76.00
		2010-11	14476688	4221661	298568.13	170882.14	57.00
		2011-12	15253464	5244628	284847.00	149348.92	52.00
		2012-13	14195644	5365579	261406.13	239559.99	92.00
		2013-14	14151915	5762204	337642.08	285104.16	84.00
5.	छत्तीसगढ़	2009-10	2925817	1141534	91602.95	80238.95	88.00
		2010-11	3156343	1366404	92726.79	86341.60	93.00
		2011-12	3170011	1341239	105703.00	97310.95	92.00
		2012-13	2462193	1414078	103871.64	91007.96	88.00
		2013-14	2308729	1398861	95151.10	76747.11	81.00
6.	गोवा	2009-10	74773	89679	4567.76	3334.38	73.00
		2010-11	99791	69239	4203.00	4004.66	95.00
		2011-12	95860	69718	4257.00	4213.26	99.00
		2012-13	93749	70735	4114.00	3670.80	89.00
		2013-14	92645	64438	3938.00	3938.02	100.00
7.	गुजरात	2009-10	4605620	1515879	97840.63	91500.70	94.00

मध्याह्न भोजन योजना की निष्पादन लेखापरीक्षा

		2010-11	4356569	1811665	104360.06	77748.43	75.00
		2011-12	4367392	1906624	111571.00	86618.06	78.00
		2012-13	4225492	2052697	117624.29	100425.97	85.00
		2013-14	3859101	2281273	121079.07	109319.95	90.00
8.	हरियाणा	2009-10	1529978	693988	55926.60	30172.42	54.00
		2010-11	1478887	687805	53806.61	25010.21	46.00
		2011-12	1449617	699807	54333.00	43306.28	80.00
		2012-13	1409458	731655	60413.37	45986.38	76.00
		2013-14	1260814	772984	59057.35	43848.86	74.00
9.	हिमाचल प्रदेश	2009-10	445093	330170	23520.86	20855.70	89.00
		2010-11	426658	314611	20987.61	19892.88	95.00
		2011-12	408900	296813	21120.00	20423.74	97.00
		2012-13	382729	269926	19323.70	19792.52	102.00
		2013-14	364957	260537	18029.00	17002.06	94.00
10.	जम्मू एवं कश्मीर	2009-10	895367	405125	27500.24	24633.68	90.00
		2010-11	870717	421041	26730.00	16290.62	61.00
		2011-12	856793	417321	25308.00	17422.07	69.00
		2012-13	809672	408677	26978.78	22288.18	83.00
		2013-14	742300	359202	28212.00	17652.98	63.00
11.	झारखंड	2009-10	4688484	1346315	97415.10	83383.91	87.00
		2010-11	4321982	1388713	118521.43	100588.85	85.00
		2011-12	4083227	1452968	97052.00	78452.27	81.00
		2012-13	3878324	1497036	97005.16	84997.68	88.00
		2013-14	3775843	1504465	97125.34	76959.76	79.00
12.	कर्नाटक	2009-10	4008796	2274289	145492.01	123280.46	85.00
		2010-11	3658212	2145220	141153.49	123964.36	88.00
		2011-12	3528193	2097991	147394.00	124747.84	85.00
		2012-13	3405362	2091643	150083.53	136586.04	91.00
		2013-14	3406736	2090854	141796.70	126064.01	89.00
13.	केरल	2009-10	1870576	1361265	73096.99	55322.04	76.00
		2010-11	1842832	1333357	72453.47	67504.94	93.00
		2011-12	1702348	1296474	70005.00	61637.71	88.00
		2012-13	1643914	1222619	67731.00	61136.85	90.00
		2013-14	1542347	1027061	66610.00	59062.43	89.00
14.	मध्य प्रदेश	2009-10	7981500	3106522	254151.26	233808.10	92.00
		2010-11	7809296	3309664	233006.00	232068.98	100.00
		2011-12	7352733	3449546	236888.00	213439.94	90.00
		2012-13	7352733	3449546	232297.09	210086.49	90.00
		2013-14	6490497	3471829	221314.46	185383.55	84.00
15.	महाराष्ट्र	2009-10	8761094	4812160	328358.51	274550.51	84.00

2015 की प्रतिवेदन सं. 36

		2010-11	8480928	4902345	343044.00	251301.16	73.00
		2011-12	8480971	4902312	300879.00	248426.04	83.00
		2012-13	8132569	4849340	297172.53	265684.00	89.00
		2013-14	7405477	4623929	286570.38	258514.46	90.00
16.	मणिपुर	2009-10	210692	57992	6566.95	4854.57	74.00
		2010-11	193111	41217	6391.00	5769.74	90.00
		2011-12	189866	41935	4678.00	3508.85	75.00
		2012-13	187622	42933	5175.60	4259.10	82.00
		2013-14	189482	43295	5400.00	4964.71	92.00
17.	मेघालय	2009-10	377079	131725	11479.70	10989.75	96.00
		2010-11	434482	134666	11049.85	8462.16	77.00
		2011-12	430846	169776	11856.00	11469.00	97.00
		2012-13	407997	157970	12620.00	12589.84	100.00
		2013-14	407997	157970	12378.91	12378.88	100.00
18.	नागालैंड	2009-10	210268	63099	4896.31	4634.26	95.00
		2010-11	230010	67051	6227.56	6570.21	106.00
		2011-12	220829	56327	5828.00	6945.99	119.00
		2012-13	209822	51140	6326.70	5227.93	83.00
		2013-14	220457	57159	6297.83	6297.84	100.00
19.	ओडिशा	2009-10	3961686	1726012	140840.14	133311.59	95.00
		2010-11	4129953	1933347	140467.03	114697.91	82.00
		2011-12	4038760	1882928	145194.00	125600.61	87.00
		2012-13	3835632	2006030	138963.08	131796.54	95.00
		2013-14	3835632	2003994	147176.87	136443.67	93.00
20.	पंजाब	2009-10	1325592	751083	50318.17	37258.12	74.00
		2010-11	1301895	779104	48513.00	43253.12	89.00
		2011-12	1337964	788201	53399.00	53442.39	100.00
		2012-13	1284134	819131	54231.75	49718.24	92.00
		2013-14	1230991	793349	53492.07	43590.51	81.00
21.	राजस्थान	2009-10	5410877	2082824	161520.80	130025.93	81.00
		2010-11	5280753	2059803	163858.26	154416.92	94.00
		2011-12	5280741	2059803	167010.00	136306.76	82.00
		2012-13	5199533	2158162	147638.01	125443.94	85.00
		2013-14	4895026	2073535	149164.54	109630.53	73.00
22.	सिक्किम	2009-10	67707	28791	2259.96	2259.50	100.00
		2010-11	72846	29787	2241.40	2241.40	100.00
		2011-12	64920	34784	2497.00	2491.77	100.00
		2012-13	51064	36686	2492.60	2477.62	99.00
		2013-14	57357	36715	2396.49	2396.50	100.00
23.	तमिलनाडु	2009-10	3577489	2303631	126374.04	91887.01	73.00
		2010-11	3251355	2212604	131215.71	104590.98	78.00

मध्याह्न भोजन योजना की निष्पादन लेखापरीक्षा

		2011-12	3215198	2310101	116498.00	77618.36	67.00
		2012-13	3028036	2367004	117202.36	94999.47	81.00
		2013-14	3058766	2442603	122766.34	109403.70	89.00
24.	त्रिपुरा	2009-10	449353	209344	7949.63	5230.84	66.00
		2010-11	382137	209111	12512.00	12361.38	999.00
		2011-12	370566	206951	11960.00	10569.80	88.00
		2012-13	364480	227187	11822.00	10494.20	89.00
		2013-14	364480	227189	10560.45	8351.49	79.00
25.	उत्तराखंड	2009-10	670282	395550	29945.13	20840.45	70.00
		2010-11	624441	386599	23759.00	21134.39	89.00
		2011-12	593875	383751	24365.00	21655.81	89.00
		2012-13	554477	376350	24623.51	22777.52	93.00
		2013-14	536544	368283	24828.68	21460.22	86.00
26.	उत्तर प्रदेश	2009-10	15865317	4480139	342361.75	285744.41	83.00
		2010-11	15170833	5832249	341418.83	299531.46	88.00
		2011-12	14505991	5872175	305424.00	249596.27	82.00
		2012-13	14087769	5892528	331662.02	296293.03	89.00
		2013-14	13805026	6004217	341186.28	275596.01	81.00
27.	पश्चिम बंगाल	2009-10	9577058	4689615	267043.54	163530.07	61.00
		2010-11	9503055	5079591	232026.28	161608.11	70.00
		2011-12	8945688	4740474	266833.00	179190.62	67.00
		2012-13	8417916	5038610	313816.17	214510.44	68.00
		2013-14	8147291	4880194	322832.03	203298.84	63.00
28.	अं. एवं नि. द्वीप समूह	2009-10	26684	19085	1223.79	1223.79	100.00
		2010-11	24169	17536	935.00	547.77	59.00
		2011-12	24169	17536	880.00	853.28	97.00
		2012-13	22657	16075	935.00	898.20	96.00
		2013-14	22885	16075	852.50	708.51	83.00
29.	चंडीगढ़	2009-10	70390	36848	1999.29	972.01	49.00
		2010-11	70390	36848	1745.77	1163.07	67.00
		2011-12	66364	40169	1635.00	930.40	57.00
		2012-13	66364	40169	1545.60	907.80	59.00
		2013-14	66364	42454	1545.60	910.00	59.00
30.	दा. एवं ना. हवेली	2009-10	34053	10683	793.58	697.81	88.00
		2010-11	33445	16593	873.14	844.79	97.00
		2011-12	32445	17663	872.00	867.35	99.00
		2012-13	27139	18888	1038.40	935.95	90.00
		2013-14	25447	19255	1074.69	952.39	89.00
31.	दमन एवं दीव	2009-10	13179	4991	467.25	315.29	67.00
		2010-11	11992	7490	477.30	370.13	78.00
		2011-12	11916	7668	408.00	357.02	87.00

मध्याह्न भोजन योजना की निष्पादन लेखापरीक्षा

2015 की प्रतिवेदन सं. 36

		2012-13	11837	7676	434.50	424.51	98.00
		2013-14	11385	7646	404.53	358.43	89.00
32.	दिल्ली	2009-10	1175365	698118	41453.69	25595.65	62.00
		2010-11	1169709	662339	77050.00	28382.62	77.00
		2011-12	1152596	668204	35400.00	30536.83	86.00
		2012-13	1161129	713378	32937.00	27501.69	83.00
		2013-14	1140732	711723	29957.40	30950.87	103.00
33.	लक्षद्वीप	2009-10	6791	3532	278.83	0.00	0.00
		2010-11	5999	4022	268.40	0.00	0.00
		2011-12	5684	4076	245.00	0.00	0.00
		2012-13	5412	4125	255.20	0.00	0.00
		2013-14	4605	3407	247.12	269.89	109.00
34.	पुदुचेरी	2009-10	55176	46396	2413.84	2332.57	97.00
		2010-11	53357	45446	2444.28	1583.29	65.00
		2011-12	45790	42421	2315.00	1604.27	69.00
		2012-13	40330	39431	2220.90	1625.94	73.00
		2013-14	35748	33420	1912.87	1387.80	73.00

अनुबंध-V

आवंटित तथा उठाये गये अनाजों में परिवर्तन का विवरण

(पैराग्राफ 3.2 के संदर्भ में)

क्र.सं.	राज्य/के.शा.क्षे.	आवंटित	उठायी गयी	उठायी गयी	अंतर (एम.टी. में) (+) (-)
		अनाजे (एम.टी. में)	अनाजें (एम.टी. में)	अनाजें (एम.टी. में)	
		मंत्रालय के अनुसार	मंत्रालय के अनुसार	राज्यों के अनुसार	
1.	आंध्र प्रदेश	770832.48	717201.42	662395.00	54806.42
2.	अरुणाचल प्रदेश	28691.15	29059.48	30048.58	-989.10
3.	असम	560006.87	444024.57	418320.39	25704.18
4.	बिहार	1467820.25	1062546.43	1163366.92	100820.49
5.	छत्तीसगढ़	489055.48	431646.57	434259.21	-2612.64
6.	गोवा	21079.76	19161.12	19293.36	-132.24
7.	गुजरात	552475.05	465613.11	493154.08	-27540.97
8.	हरियाणा	283536.93	188324.15	192674.94	-4350.79
9.	हिमाचल प्रदेश	102981.17	97966.90	94736.02	3230.88
10.	जम्मू एवं कश्मीर	134729.02	98287.53	90320.88	7966.65
11.	झारखंड	507119.03	424382.47	424746.1	-363.63
12.	कर्नाटक	725919.73	634642.71	635527.49	-884.78
13.	केरल	349896.46	304663.97	उ.न.	उ.न.
14.	मध्य प्रदेश	1177656.81	1074787.06	1080157.44	-5370.38
15.	महाराष्ट्र	1556024.42	1298476.17	उ.न.	उ.न.
16.	मणिपुर	28211.55	23356.97	23805.86	-448.89
17.	मेघालय	59384.46	55889.63	55732.42	157.21
18.	नागालैंड	29576.4	29676.23	29607.78	68.45
19.	ओडिशा	712641.12	641850.32	616050.34	25799.98
20.	पंजाब	259953.99	227262.38	235698.17	-8435.79
21.	राजस्थान	789191.61	655824.08	660763	-4938.92
22.	सिक्किम	11887.45	11866.79	11867.24	-0.45
23.	तमिलनाडु	614056.45	478499.52	477778.33	721.19
24.	त्रिपुरा	54804.08	47007.71	46676.87	330.84
25.	उत्तराखंड	127521.32	107868.39	107871.43	-3.04
26.	उत्तर प्रदेश	1662052.88	1406761.18	1404756.8	2004.38
27.	पश्चिम बंगाल	1402551.02	922138.02	उ.न.	उ.न.
28.	अं.एवं नि. द्वीप समूह	4826.29	4231.55	4790.49	-558.94
29.	चंडीगढ़	8471.26	4883.28	4882.74	0.54
30.	दा.एवं.ना. हवेली	4651.81	4298.29	3062.47	1235.82

मध्याह्न भोजन योजना की निष्पादन लेखापरीक्षा

2015 की प्रतिवेदन सं. 36

31.	दमन एवं दीव	2191.51	1825.38	1828.16	-2.78
32.	दिल्ली	216798.09	142967.66	140341.5	2626.16
33.	लक्षद्वीप	1294.55	269.89	उ.न.	उ.न.
34.	पुदुचेरी	11306.89	8533.87	8586.23	-52.36

अनुबंध-VI

(पैराग्राफ 3.5 के संदर्भ में)

पके हुए भोजन को परोसने में विघटन

क्र.सं.	राज्य	टिप्पणियां
1.	आंध्र प्रदेश	चावल की अनुपलब्धता तथा कार्यान्वयन अभिकरण की अनुपस्थिति आदि के कारण 1 से 148 दिनों के लिए 120 नमूना परीक्षित स्कूलों में पका हुआ भोजन प्रदान नहीं किया गया था।
2.	असम	खाद्यान्नों की कमी, भोजन पकाने की लागत की अनुपस्थिति तथा स्थानीय बंदों आदि के कारण क्रमशः निम्न प्राथमिक (एल.पी.) एवं उच्चतर प्राथमिक (यू.पी.) स्कूलों के लिए 210 एवं 220 दिनों के लक्ष्य के प्रति 41 से 107 दिनों तथा निम्न प्राथमिक (एल.पी.) के मामले में 53 से 78 दिनों तक की अवधि के लिए 120 नमूना परीक्षित स्कूलों में पका हुआ भोजन प्रदान नहीं किया गया था।
3.	बिहार	2009-13 के दौरान, 180 नमूना परीक्षित स्कूलों में से, स्कूली स्तर पर परिवर्तन लागत एवं खाद्यान्नों की अनु-उपलब्धता के कारण 25 से 81 स्कूलों में 100 दिनों से कम के लिए एम.डी.एम. परोसा गया था। यद्यपि खाद्यान्नों एवं निधियों की कमी के कारण मार्च 2013 और मार्च 2014 के नमूना परीक्षित महीनों में 407 और 240 स्कूलों में एम.डी.एम. प्रदान नहीं किया गया था।
4.	छत्तीसगढ़	2009-10 से 2013-14 के दौरान 230-240 दिनों के लिए एम.डी.एम प्रदान किया जना था। 120 नमूना परीक्षित स्कूलों में 1 से लेकर 140 दिनों तक की अवधि के लिए पका हुआ भोजन प्रदान नहीं किया गया था। इस प्रकार, 120 नमूना परीक्षित स्कूलों में से 49 से 88 प्रतिशत स्कूलों में लक्ष्य को प्राप्त नहीं किया गया था। इसके अतिरिक्त, यह भी पाया गया कि खाद्यान्नों की अनुपलब्धता तथा रसोइया सह सहायक की अनुपस्थिति के कारण 2009-14 के दौरान 120 नमूना परीक्षित स्कूलों में से 1 से 21 स्कूलों में न्यूनतम 200 दिनों के लिए सर्वोच्च न्यायालय के दिशानिर्देश के अनुसार भोजन परोसा नहीं गया था।
5.	जम्मू एवं कश्मीर	2011-12 के दौरान 220 कार्य दिवसों के प्रति 22 जिलों में पका हुआ भोजन केवल 116 तथा 217 दिनों के बीच ही परोसा गया था।
6.	झारखंड	शिक्षकों की हड़ताल, खाद्यान्नों की कमी, पकाने की लागत तथा वी.ई.सी. सदस्यों में झगड़े के कारण 2009-14 के दौरान 6345 स्कूली दिवसों (छात्रा जिलों जहां एम.डी.एम बिल्कुल भी परोसे नहीं गए थे, में दो चयनित स्कूलों के लिए 694 स्कूल दिवसों को मिलाकर)
7.	केरल	60 नमूना परीक्षित स्कूलों में से 18 में एम.डी.एम. बाधित हुई थी। 2009-2014 के दौरान 136 दिनों तक एक स्कूल में बाध्यता रही थी।
8.	मध्य प्रदेश	2009-14 के दौरान 8668 स्कूल कार्य दिवसों पर 300 नमूना परीक्षित स्कूलों में से 88 स्कूलों (9 जिलों) में पका हुआ भोजन प्रदान नहीं किया गया था।
9.	महाराष्ट्र	149 नमूना परीक्षित स्कूलों में, ब्लॉक स्तर पर विलंब के कारण तथा खाद्यान्नों की गैर-प्राप्ति के कारण 1 से लेकर 239 दिनों तक की अवधि के लिए व्यवधान

मध्याह्न भोजन योजना की निष्पादन लेखापरीक्षा

		पाया गया था तथा एक वर्ष में सभी कार्य दिवसों में पका हुआ भोजन प्रदान नहीं किया गया था।
10.	मेघालय	2009-14 के दौरान, बच्चों को भोजन न परोसे जाने वाले दिनों की औसतन संख्या प्राथमिक स्तर पर 33 दिन तथा उच्च प्राथमिक स्तर पर 37 दिन थे। 60 दिनों की नमूना जांच में से 15 स्कूल हफ्ते में 3 से 4 दिनों के लिए एम.डी.एम. प्रदान कर रहे थे जबकि 28 स्कूलों ने बताया कि खाद्यान्नों की उपलब्धता के आधार पर पका हुआ भोजन प्रदान किया गया था।
11.	नागालैंड	60 नमूना परीक्षित स्कूलों में पका हुआ भोजन एक माह में 1 से 20 दिनों तक परोसा गया था जबकि 55 स्कूलों में प्रमुख अध्यापकों ने बताया कि पका हुआ भोजन सभी स्कूली कार्य दिवसों पर परोसा नहीं गया था।
12.	ओडिशा	148 नमूना परीक्षित स्कूलों में से 47 में चावल के साथ साथ रसोइया-सह-सहायक की अनुपलब्धता के कारण 2009-14 के दौरान 101 से लेकर 310 दिनों तक 10 स्कूलों में तथा 1 से लेकर 100 दिनों तक पका हुआ भोजन बाधित हुआ था।
13.	पंजाब	90 नमूना परीक्षित स्कूलों में से 20 में 2009-14 के दौरान खाद्यान्नों एवं पकाने की लागत की अनुपलब्धता के कारण 1800 दिनों के लिए भोजन प्रदान नहीं किया गया था।
14.	राजस्थान	143 नमूना परीक्षित स्कूलों में 7543 दिनों (5.05 प्रतिशत) के लिए भोजन प्रदान नहीं किया गया था जबकि 2009-14 के दौरान 149195 दिनों के लिए स्कूल खुले हुए थे।
15.	त्रिपुरा	2011-12 से 2013-14 के दौरान 1 से 6 महीनों की अवधि के लिए 339 स्कूलों में 19348 बच्चों को पका हुआ भोजन प्रदान नहीं किया गया था।
16.	उत्तर प्रदेश	360 नमूना परीक्षित स्कूलों में से 235 में, 1 से लेकर 228 दिनों (औसत 32 दिन) के लिए पके हुए भोजन को परोसने में व्यवधान हुआ था। व्यवधान के लिए कारणों का न तो किसी स्तर पर विश्लेषण हुआ था और न ही किसी नमूना परीक्षित जिले/स्कूलों में किसी जिम्मेदार अधिकारी के प्रति कोई कार्रवाई नहीं की गई थी।
17.	उत्तराखंड	1 से 53 दिनों की अवधि के लिए 60 नमूना परीक्षित स्कूलों में से 23 में पका हुआ भोजन प्रदान नहीं किया गया था।
18.	पश्चिम बंगाल	90 स्कूलों में से 88 में सभी कार्य दिवसों पर एम.डी.एम. परोसा नहीं गया था तथा 2 स्कूलों में एम.डी.एम. की शुरुआत नहीं हुई थी।
19.	अं. एवं नि. द्वीप समूह	60 नमूना परीक्षित स्कूलों में से 27 में पका हुआ भोजन 856 कार्य दिवसों को प्रदान नहीं किया गया था।
20.	दिल्ली	2009-14 के दौरान, प्राथमिक स्कूलों के मामले में, 210 कार्य दिवसों के लक्ष्य के प्रति, कुल 200 मामलों में से 169 मामलों में परोसे गए एम.डी.एम. के दिनों की औसतन संख्या 179 से 209 कार्य दिवसों तक थी। उच्च प्राथमिक स्कूलों के मामले में 220 दिनों (2009-10 में 210 दिन) के लक्ष्य के मुकाबले, यह 76 मामलों में 160 और 206 कामकाज दिनों के बीच था

अनुबंध-VII
(पैराग्राफ 3.6.1 के संदर्भ में)
सूक्ष्म पोषक तत्वों का प्रबंधन

क्र.सं.	राज्य	टिप्पणियां
1.	बिहार	राज्य में क्षेत्र विशिष्ट कमी के बारे में विभाग को पता नहीं था। पांच नमूना परीक्षित जिलों (कटिहार जिले को छोड़कर) में 2009-14 के दौरान न तो सूक्ष्म पोषको और अनुपूरकों का प्रबंधन किया गया था और न ही स्वास्थ्य जांच की गई थी। हालांकि, कटिहार जिले में एक स्वास्थ्य जांच की गई थी तथा डिवर्मिंग दवाइयों एवं आयरन एवं फोलिक एसिड जैसी अनुपूरक दवाइयों का 2013-14 में केवल एक बार प्रबंधन किया गया था, जबकि इसी अपेक्षित खुराक (आयरन एवं फॉलिक एसिड टेबलेटों के लिए साप्ताहिक खुराक तथा डिवर्मिंग टेबलेटों के लिए छः माह की खुराकें) को किसी वर्ष में दी नहीं गयी थी।
2.	छत्तीसगढ़	स्कूलों के भौतिक निरीक्षण के दौरान, यह पाया गया था कि निर्धारित सूक्ष्म-पोषक अनुपूरकों को दिए जाने से संबंधित अभिलेखों को अनुरक्षित नहीं किया गया था।
3.	गोवा	60 नमूना परीक्षित स्कूलों में से 18 स्कूलों में सूक्ष्म अनुपूरक प्रदान नहीं किए गए थे और जिन 42 स्कूलों में प्रदान किया गया था वहाँ नियमित रूप से प्रदान नहीं किया गया था। साप्ताहिक आयरन एवं फॉलिक एसिड टेबलेटों को केवल 2013-14 से संवितरित किया गया था, हालांकि, उसके विवरण अनुरक्षित नहीं किए गए थे। स्वास्थ्य सेवाओं के निदेशक की रिपोर्ट के अनुसार, साप्ताहिक रूप से आयरन एवं फॉलिक एसिड टेबलेटों के संवितरण का कार्यक्रम 2013-14 से शुरू किया गया था तथा राज्य के केवल 139 स्कूल कवर किए गए थे।
4.	हरियाणा	2011-12 की अंतिम तिमाही को छोड़कर जिसमें यह दर्शाया गया था कि 15,596 में से केवल 7,795 स्कूलों को पोषण प्रदान किया गया था, विभाग ने 2009-14 के दौरान बच्चों को निर्धारित सूक्ष्म-पोषक तत्वों तथा डिवर्मिंग दवाइयाँ प्रदान नहीं की थी।
5.	कर्नाटक	चार नमूना परीक्षित जिलों में 2009-10 से 2013-14 के दौरान कुल 28.98 लाख नामांकित बच्चों में से, 6.13 लाख बच्चों, 12 लाख बच्चों तथा 21.82 लाख बच्चों को क्रमशः विटामिन ए टेबलेट, एलबेन्डाजोल तथा आयरन एवं फॉलिक एसिड नहीं दी थी।
6.	केरल	60 नमूना परीक्षित स्कूलों में से 42 स्कूलों में सूक्ष्म पोषक तत्वों डिवर्मिंग दवाइयाँ आदि को प्रदान नहीं किया गया था केवल 2013-14 के दौरान केवल 15 स्कूलों में मासिक आयरन एवं फॉलिक एसिड अनुपूरक प्रदान किया गया था।
7.	मध्य प्रदेश	नमूना-जांच किए गए 300 में से 53 विद्यालयों में 186 बच्चे सूक्ष्म-पोषक पाए गए थे, उनमें विटामिन 'ए' की कमी थी अथवा वे अन्य स्वास्थ्य समस्याओं से ग्रस्त थे। परन्तु सूक्ष्म-पोषक की खुराक केवल 42 विद्यालयों में बांटी गई थी।
8.	महाराष्ट्र	लेखापरीक्षा हेतु जांच किए गए 149 विद्यालयों ने 2009-14 के दौरान सूक्ष्म-पोषक/आयरन एवं फोलिक एसिड (आई.एफ.ए) प्राप्त और वितरित किए थे, तथापि प्राप्ति और वितरण के अभिलेखों का अनुरक्षण नहीं किया गया था जिसके

		परिणामस्वरूप यह पता नहीं लगाया जा सका कि क्या बच्चों को अपेक्षित खुराक समुचित ढंग से बांटी गई थी।
9.	मेघालय	नमून- जांच किए गए 41 विद्यालयों (68 प्रतिशत) में डी-वॉर्मिंग, विटामिन-ए तथा साप्ताहिक खुराकों जैसे आयरन एवं फोलिक एसिड, जिंक, आदि की छः मासिक खुराक बच्चों को उपलब्ध नहीं कराई गई थी।
10.	राजस्थान	डी-वॉर्मिंग गोलियों की व्यवस्था में औसत कमी 38.73 प्रतिशत विटामिन ए: 51.73 प्रतिशत, आइरन-फोलिक एसिड: 38.26 प्रतिशत, विद्यालयों में चिकित्सा कैम्पों की व्यवस्था: 33.07 प्रतिशत
11.	त्रिपुरा	यह देखा गया था कि जबकि विटमिन ए की गोलियां बच्चों को बिल्कुल बांटी ही नहीं गई थी, 2011-12 में एलबेन्डाजोल गोलियों की आपूर्ति में (42 प्रतिशत) तथा 2009-10 में आई.एफ.ए. गोलियों में 91 प्रतिशत तथा 2013-14 में 69 प्रतिशत की कमी थी। यह भी देखा गया था कि वर्ष 2013 तथा 2014 में एलबेन्डाजोल तथा आई.एफ.ए. गोलियों के ऊपरी भाग पर कुछ स्पॉट और क्रेक देखे गए थे जिसके परिणामस्वरूप इस जिला स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण समिति ने जिला शिक्षा अधिकारी अधिकारियों को इन गोलियों का प्रयोग बन्द करने का अनुरोध किया (सितम्बर 2013 एवं अप्रैल 2014) परन्तु इसी बीच छः नमूना-जांच किए गए विद्यालयों में यह देखा गया कि आई.एस. ने बच्चों को सूक्ष्म-पोषक बांट दिए थे। तथापि, बच्चों पर उन खराब सूक्ष्म-पोषकों के प्रभाव का पता नहीं लगाया जा सका।
12.	उत्तर प्रदेश	नमूना जांच किए गए 360 में से 161 विद्यालयों ने 2009-14 के दौरान अपने विद्यार्थियों को आइरन एवं फोलिक एसिड, जिंक तथा विटामिन ए की गोलियां कमी उपलब्ध नहीं कराई थी। तथापि, 87 विद्यालयों ने पांच वर्ष की समस्त अवधि के दौरान ये सूक्ष्म-पोषक एक से तीन बार उपलब्ध कराए थे। ये सूक्ष्म-पोषक बच्चों को पोषण कमियों की जांच किए बिना ही उपलब्ध कराए गए थे। निर्धारित छःमाही खुराकों के प्रति, 181 विद्यालयों ने 2009-14 के दौरान अपने विद्यार्थियों को कमी भी डी-वॉर्मिंग गोलियां नहीं दी थी। इसके अतिरिक्त, 171 विद्यालयों ने पांच वर्ष की समस्त अवधि के दौरान एक बार, दो बार तथा तीन बार दी थी।
13.	उत्तराखंड	एम.डी.एम. कार्यक्रम को "चिरआयु" कार्यक्रम, जो राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन (एन.आर.एच.एम.) के अन्तर्गत अगस्त 2010 में शुरू किया गया था, के अन्तर्गत सूक्ष्म-पोषक पूरकों तथा डी-वॉर्मिंग से संबंधित स्वास्थ्य हस्तक्षेप के साथ पूरा किया गया था। चयनित जिलों में, 2010-14 की अवधि के दौरान 'चिरआयु' कार्यक्रम के अन्तर्गत अलमोड़ा और टिहरी में क्रमशः केवल 40 प्रतिशत तथा 39 प्रतिशत विद्यालय ही आते थे।
14.	अं.एवं नि. द्वीप समूह	नमूना-जांच किए गए विद्यालयों में यह देखा गया था कि डी-वॉर्मिंग की छःमाही खुराके 12 विद्यालयों में नियमित रूप से नहीं बांटी गई थी तथा छः विद्यालयों में बिल्कुल बांटी ही नहीं गई थी। इसी प्रकार, साप्ताहिक आइरन एवं फालिक एसिड पूरक 11 विद्यालयों में नियमित रूप से नहीं बांटे गए थे तथा चार विद्यालयों में बिल्कुल बांटे ही नहीं गए थे। बच्चों को जिंक के नियमित वितरण के संबंध में, स्वास्थ्य सेवा निदेशालय ने केवल डायरिया से ग्रस्त बच्चों के लिए ही जिंक की सिफारिश की थी न कि नेमी पूरक के रूप में।
15.	चंडीगढ़	लेखापरीक्षा ने देखा कि बच्चों में पोषण की स्थिति के घटने के बावजूद, सूक्ष्म-पोषक पूरक अपर्याप्त थे क्योंकि केवल 26 प्रतिशत (2012-13) से 69 प्रतिशत (2011-

		12) बच्चों को ही आईरन/फोलिक/जिंक पूरक ही दिए गए थे। 2009-10 से 2013-14 के दौरान डी-वॉर्मिंग औषधियों का वितरण नामांकित बच्चों के 25 प्रतिशत (2010-11) से 75 प्रतिशत (2011-12) के बीच था।
16.	दिल्ली	25 विद्यालयों में आईरन एवं फॉलिक एसिड पूरक साप्ताहिक के बजाए केवल 1 से 5 बार दिए गए थे तथा 45 विद्यालयों में डी-वॉर्मिंग की गोलियां 2009-14 के दौरान छःमाही के प्रति केवल 1 से 5 बार दी गई थीं। 10 विद्यालयों में गोलियों के वितरण के अभिलेख उपलब्ध नहीं थे।
17.	पुदुचेरी	नमूना-जांच किए गए 60 विद्यालयों में, यह देखा गया था कि 2009-14 के दौरान 2107 विद्यार्थियों का भार कम पाया गया था तथा 969 विद्यार्थी रक्तहीनता से पीड़ित थे। यह भी देखा गया था कि जिन विद्यार्थियों की कम-भार तथा रक्तहीनता की पहचान की गई थी, उन्हें समुचित पूरक औषधियां नहीं दी गई थीं।

अनुबंध-VIII

(पैराग्राफ सं. 3.6.6 देखें)

दिए गए भोजन का उष्मीय-मान

क्र.सं.	राज्य	टिपणी																													
1.	अरुणाचल प्रदेश	<p>अभिलेखों से पता चला कि प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक स्तरों में दालों/दाल की क्रमशः 20 एवं 30 ग्राम की अपेक्षित मात्रा के प्रति 2012-13 तथा 2013-14 के दौरान भोजन में प्रदत्त दालों/दाल की मात्रा क्रमशः केवल 0.18 से 0.20 ग्राम और 0.19 से 0.30 ग्राम थी।</p> <p>इसी प्रकार, प्राथमिक तथा उच्च प्राथमिक स्तरों में तेल/वसा की 5 एवं 7.5 ग्राम प्रति दिन की अपेक्षित मात्रा के प्रति 2012-13 तथा 2013-14 के दौरान क्रमशः 1.91 से 4.13 ग्राम और 1.71 से 5.91 ग्राम प्रदान की गई थी।</p>																													
2.	असम	<p>नमूना-जांच किए गए 120 विद्यालयों के अभिलेखों से पता चला कि प्रति बच्चा भोजन के लिए आपूर्त खाद्यान्न की मात्रा, प्राथमिक तथा उच्च प्राथमिक स्तर पर खाद्यान्न का निर्धारित 100 ग्राम/150 ग्राम मात्रा से कम थी।</p>																													
3.	गोवा	<p>2009-10 से 2011-12 की अवधि के दौरान, अधिकतर मामलों के एम.डी.एम. में छात्रों को प्रदत्त मेन्यू केवल भाजीपाव और पुलाव ही था। छात्रों को केवल एक भाजीपाव ही दिया गया था। दिए गए भोजन का पोषण मूल्य अपेक्षित प्रतिमानों से कम था जिसका परिकलन नीचे किया गया है:</p> <table border="1"> <thead> <tr> <th rowspan="2">पत्तल भाजी/एक पाव</th> <th colspan="2">प्राथमिक स्तर</th> <th colspan="2">उच्च प्राथमिक स्तर</th> </tr> <tr> <th>ऊर्जा के.सी.एल.</th> <th>प्रोटीन (ग्राम)</th> <th>ऊर्जा के.सी.एल.</th> <th>प्रोटीन (ग्राम)</th> </tr> </thead> <tbody> <tr> <td>अन्य मर्दे</td> <td>320</td> <td>10.25</td> <td>312</td> <td>9</td> </tr> <tr> <td>एक पाव</td> <td>75</td> <td>1.875</td> <td>75</td> <td>1.875</td> </tr> <tr> <td>कुल प्रदत्त</td> <td>395</td> <td>12.125</td> <td>387</td> <td>10.875</td> </tr> <tr> <td>अनुशंसित पोषक-तत्व</td> <td>450</td> <td>12.00</td> <td>700</td> <td>20.00</td> </tr> </tbody> </table> <p>2009-2010 से 2011-12 की अवधि के दौरान प्रदत्त मेन्यू, पत्तल भाजी/पाव के संबंध में, प्राथमिक स्तर के संबंध में 55 केलोरी तक उच्च प्राथमिक स्तर के संबंध में 300 केलोरी तक की कमी को दर्शाता था। उच्च प्राथमिक स्तर के बच्चों को लगभग 9 ग्राम प्रोटीन की भी कमी देखी गई थी। इसके अतिरिक्त, शाकाहारी पुलाव के संबंध में दिया गया चावल प्राथमिक स्तर तथा उच्च प्राथमिक स्तर के लिए क्रमशः 30 ग्राम 60 ग्राम के अनुपात में प्रयोग किया गया था। उच्च प्राथमिक स्तर के लिए केलोरी तथा प्रोटीन तत्व कम परिकलित किया गया था।</p> <p>इसके अतिरिक्त 2012-13 से 2013-14 में यह मानते हुए कि छात्रों को भाजी के साथ केवल एक पाव दिया गया था, दिए गए भोजन का पोषण मूल्य अपेक्षित प्रतिमानों से कम था जैसाकि नीचे परिकलित किया गया है:</p>	पत्तल भाजी/एक पाव	प्राथमिक स्तर		उच्च प्राथमिक स्तर		ऊर्जा के.सी.एल.	प्रोटीन (ग्राम)	ऊर्जा के.सी.एल.	प्रोटीन (ग्राम)	अन्य मर्दे	320	10.25	312	9	एक पाव	75	1.875	75	1.875	कुल प्रदत्त	395	12.125	387	10.875	अनुशंसित पोषक-तत्व	450	12.00	700	20.00
पत्तल भाजी/एक पाव	प्राथमिक स्तर			उच्च प्राथमिक स्तर																											
	ऊर्जा के.सी.एल.	प्रोटीन (ग्राम)	ऊर्जा के.सी.एल.	प्रोटीन (ग्राम)																											
अन्य मर्दे	320	10.25	312	9																											
एक पाव	75	1.875	75	1.875																											
कुल प्रदत्त	395	12.125	387	10.875																											
अनुशंसित पोषक-तत्व	450	12.00	700	20.00																											

मध्याह्न भोजन योजना की निष्पादन लेखापरीक्षा

		<p>की अवधि के लिए पके भोजन के 1304 नमूनों में से 96 प्रतिशत (1250 नमूने) निर्धारित ऊष्मीय मान और प्रोटीन तत्व को पूरा करने में विफल हो गए। वर्ष-वार विवरण नीचे दिए गए हैं:</p> <p style="text-align: right;">(₹ लाख में)</p> <table border="1"> <thead> <tr> <th>वर्ष</th> <th>जांच हेतु भेजे गए नमूने</th> <th>सफल नमूने</th> <th>असफल नमूने</th> <th>लगाई गई और एकत्र की गई शास्ति</th> </tr> </thead> <tbody> <tr> <td>2009-10</td> <td>72</td> <td>0</td> <td>72</td> <td>1.44</td> </tr> <tr> <td>2010-11</td> <td>285</td> <td>5</td> <td>280</td> <td>5.60</td> </tr> <tr> <td>2011-12</td> <td>216</td> <td>48</td> <td>168</td> <td>3.36</td> </tr> <tr> <td>2012-13</td> <td>331</td> <td>1</td> <td>330</td> <td>6.60</td> </tr> <tr> <td>2013-14</td> <td>400</td> <td>0</td> <td>400</td> <td>8.00</td> </tr> <tr> <td>जोड़</td> <td>1304</td> <td>54</td> <td>1250</td> <td>25.00</td> </tr> </tbody> </table>	वर्ष	जांच हेतु भेजे गए नमूने	सफल नमूने	असफल नमूने	लगाई गई और एकत्र की गई शास्ति	2009-10	72	0	72	1.44	2010-11	285	5	280	5.60	2011-12	216	48	168	3.36	2012-13	331	1	330	6.60	2013-14	400	0	400	8.00	जोड़	1304	54	1250	25.00																																
वर्ष	जांच हेतु भेजे गए नमूने	सफल नमूने	असफल नमूने	लगाई गई और एकत्र की गई शास्ति																																																																	
2009-10	72	0	72	1.44																																																																	
2010-11	285	5	280	5.60																																																																	
2011-12	216	48	168	3.36																																																																	
2012-13	331	1	330	6.60																																																																	
2013-14	400	0	400	8.00																																																																	
जोड़	1304	54	1250	25.00																																																																	
6.	नागालैंड	<p>53 विद्यालयों में 60 विद्यालयों के अभिलेखों से पता चला कि प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक श्रेणियों को दालों, सब्जियों, तेल की अपेक्षित मात्रा प्रदान नहीं की जा रही थी।</p>																																																																			
7.	उत्तराखण्ड	<p>अलमोड़ा और टिहरी जिलों के जांच किए गए विद्यालयों ने सूचित किया कि पकाने की निर्धारित लागतें अपर्याप्त थी और उनके लिए उन लागतों पर बच्चों को पोषक भोजन उपलब्ध कराना व्यवहार्य नहीं था। जब मामला संबंधित जिला शिक्षा अधिकारियों (डी.ई.ओ.) के साथ उठाया गया, तो एम.डी.एम. की अनुमोदित मदों की चालू बाजार दरें ली और इन दरों की वर्ष 2013-14 की निर्धारित दरों के साथ तुलना की जैसा कि नीचे तालिका में दर्शाया गया है:</p> <p style="text-align: right;">(मात्रा ग्राम में तथा दरें ₹ में)</p> <table border="1"> <thead> <tr> <th rowspan="2">अनुमोदित मदें</th> <th colspan="2">प्राथमिक स्तर पर अनुमोदित</th> <th rowspan="2">अलमोड़ा में पाई गई दरें</th> <th rowspan="2">टिहरी में पाई गई दरें</th> <th colspan="2">उच्च प्राथमिकस्तर पर अनुमोदित</th> <th rowspan="2">अलमोड़ा में पाई गई दरें</th> <th rowspan="2">टिहरी में पाई गई दरें</th> </tr> <tr> <th>मात्रा</th> <th>दरें</th> <th>मात्रा</th> <th>दरें</th> </tr> </thead> <tbody> <tr> <td>दालें</td> <td>20</td> <td>1.16</td> <td>1.80</td> <td>1.60</td> <td>30</td> <td>1.74</td> <td>2.70</td> <td>2.40</td> </tr> <tr> <td>सब्जियाँ</td> <td>50</td> <td>1.11</td> <td>1.55</td> <td>2.21</td> <td>75</td> <td>1.66</td> <td>2.33</td> <td>3.32</td> </tr> <tr> <td>तेल एवं वसा</td> <td>05</td> <td>0.41</td> <td>0.55</td> <td>0.45</td> <td>7.5</td> <td>0.61</td> <td>0.75</td> <td>0.68</td> </tr> <tr> <td>नमक आदि</td> <td>-</td> <td>0.05</td> <td>0.25</td> <td>0.80</td> <td>-</td> <td>0.07</td> <td>0.36</td> <td>1.20</td> </tr> <tr> <td>ईंधन</td> <td>-</td> <td>0.61</td> <td>0.75</td> <td>1.00</td> <td>-</td> <td>0.92</td> <td>1.12</td> <td>1.50</td> </tr> <tr> <td>जोड़</td> <td></td> <td>3.34</td> <td>4.90</td> <td>6.06</td> <td></td> <td>5.00</td> <td>7.26</td> <td>9.10</td> </tr> </tbody> </table> <p>तालिका से यह देखा जा सकता है कि अलमोड़ा और टिहरी जिलों में डी.ई.ओ. द्वारा पाई गई अनुमोदित मदों की दरें, प्राथमिक स्तर पर अनुमोदित दरों क्रमशः 47 प्रतिशत और 81 प्रतिशत और उच्च प्राथमिक स्तर पर क्रमशः 45 प्रतिशत और 82 प्रतिशत अधिक थी। चालू बाजार दरों के मद्देनजर पकाए गए भोजन की अनुमोदित दरें अपर्याप्त थी। चूंकि एम.डी.एम. छात्रों को पकाई गई लागत की अनुमोदित दरों के आधार पर दिया जा रहा था जो कुछ हद तक अपर्याप्त थी, अतः इस बात की काफी संभावना है कि प्रदत्त पोषण के स्तर के साथ समझौता किया जा रहा था।</p>	अनुमोदित मदें	प्राथमिक स्तर पर अनुमोदित		अलमोड़ा में पाई गई दरें	टिहरी में पाई गई दरें	उच्च प्राथमिकस्तर पर अनुमोदित		अलमोड़ा में पाई गई दरें	टिहरी में पाई गई दरें	मात्रा	दरें	मात्रा	दरें	दालें	20	1.16	1.80	1.60	30	1.74	2.70	2.40	सब्जियाँ	50	1.11	1.55	2.21	75	1.66	2.33	3.32	तेल एवं वसा	05	0.41	0.55	0.45	7.5	0.61	0.75	0.68	नमक आदि	-	0.05	0.25	0.80	-	0.07	0.36	1.20	ईंधन	-	0.61	0.75	1.00	-	0.92	1.12	1.50	जोड़		3.34	4.90	6.06		5.00	7.26	9.10
अनुमोदित मदें	प्राथमिक स्तर पर अनुमोदित			अलमोड़ा में पाई गई दरें	टिहरी में पाई गई दरें			उच्च प्राथमिकस्तर पर अनुमोदित				अलमोड़ा में पाई गई दरें	टिहरी में पाई गई दरें																																																								
	मात्रा	दरें	मात्रा			दरें																																																															
दालें	20	1.16	1.80	1.60	30	1.74	2.70	2.40																																																													
सब्जियाँ	50	1.11	1.55	2.21	75	1.66	2.33	3.32																																																													
तेल एवं वसा	05	0.41	0.55	0.45	7.5	0.61	0.75	0.68																																																													
नमक आदि	-	0.05	0.25	0.80	-	0.07	0.36	1.20																																																													
ईंधन	-	0.61	0.75	1.00	-	0.92	1.12	1.50																																																													
जोड़		3.34	4.90	6.06		5.00	7.26	9.10																																																													

8.	उत्तर प्रदेश	<p>नमूना-जांच किए गए सात जिलों से पता चला कि एन.जी.ओ. सोमवार और बृहस्पति वार को रोटी- सब्जी और रोटी-दाल के स्थान पर बच्चों को पोषक भोजन देने में विफल रहे, उन्होंने दलिया दिया जिसका पोषण-मूल्य कम था।</p> <p>नमूना -जांच किए गए 360 प्राथमिक विद्यालयों तथा उच्च प्राथमिक विद्यालयों की लेखापरीक्षा से पता चला कि 259 विद्यालयों ने दालों, सब्जियों और तेल से संबंधित वाऊचर अनुरक्षित नहीं किए थे। परिणामतः, खरीदी गई दालों, सब्जियों और तेल की वास्तविक मात्रा तथा विद्यार्थियों को उपलब्ध कराए गए पोषक-मूल्य का लेखापरीक्षा में पता नहीं लगाया जा सका। इसके अतिरिक्त, 141 विद्यालयों के मुख्याध्यापकों/अध्यापकों को एम.डी.एम. में इन खाद्य मदों की वास्तविक मात्रा की जानकारी नहीं थी। इसके अतिरिक्त, 155 विद्यालयों ने निर्दिष्ट कॉलम खाली छोड़ दिए थे। यह भी इस मामले में उनकी अनभिज्ञता को दर्शाता था।</p>
9.	दिल्ली	<p>दक्षिणी तथा पूर्वी जिले में, छः सेवा प्रदाता, मार्च 2013 से विद्यालयों में पका हुआ भोजन आपूर्त कर रहे थे। वर्ष 2013-14 की नमूना रिपोर्टों से पता चला कि वर्ष 2013-14 के दौरान श्री राम औद्योगिक अनुसंधान संस्थान (एस.आर.आई.आई.एस.) द्वारा नमूना जांच किए गए सभी 137 नमूने (इन छः सेवा प्रदाताओं की रसोईयों से 44 नमूने तथा 93 नमूने विद्यालयों से) फेल हो गए थे क्योंकि वे मानक मूल्य को पूरा नहीं करते थे। फेल नमूनों में, केलोरीज का न्यूनतम और अधिकतम मूल्य 137.90 और 559.40 केलोरी पाया गया था तथा प्रोटीन का मूल्य 4.3 और 15.2 ग्राम पाया गया था। दक्षिण दिल्ली नगर निगम (एस.डी.एम.सी.) के अभिलेखों की नमूना जांच से पता चला कि 2012-14 के 137 नमूनों में से 44 नमूने (32 प्रतिशत) तथा 2011-14 के लिए पूर्वी दिल्ली नगर निगम (एन.डी.एम.सी.) के 249 नमूनों में से 113 (45.38 प्रतिशत) नमूने प्रोटीन के 450 केलोरी तथा 12 ग्राम के मानक मूल्य को पूरा नहीं करते थे।</p>

अध्याय-IX

(पैराग्राफ सं. 3.6.9 देखें)

अन्य विकास कार्यक्रमों के साथ मध्याह्न भोजन योजना का अभिसरण

क्र. सं.	मद	योजना कार्यक्रम जिसके अन्तर्गत निधियां उपलब्ध थी
1.	रसोईसह स्टोर का निर्माण	<p>ग्रामीण विकास मंत्रालय</p> <ul style="list-style-type: none"> ग्रामीण क्षेत्रों में सम्पूर्ण ग्रामीण रोजगार योजना (एस.जी.आर.वाई.)। <p>आवास एवं शहरी गरीबी उन्मूलन मंत्रालय</p> <ul style="list-style-type: none"> शहरी गरीबों के लिए मूल सेवाएं (बी.एस.यू.पी.) शहरी क्षेत्रों के लिए एकीकृत आवास स्लम विकास कार्यक्रम (आई.एच.एस.डी.पी.)। शहरी मजदूरी रोजगार कार्यक्रम, योजनाओं से बाहर के शहरी क्षेत्रों के लिए स्वतंत्र जयंती शहरी रोजगार योजना (एस.जी.एस.आर.वाई.) का एक संघटक। <p>पंचायत राज मंत्रालय</p> <ul style="list-style-type: none"> अन्तर को भरने तथा संवर्धन हेतु उपलब्ध पिछड़ा क्षेत्र अनुदान निधि (बी.आर.जी.एफ.)। <p>मानव संसाधन विकास मंत्रालय</p> <ul style="list-style-type: none"> नए विद्यालय के निर्माण हेतु सर्व शिक्षा अभियान (एस.एस.ए.)।
2.	जलापूर्ति	<p>ग्रामीण विकास मंत्रालय, पेय जल आपूर्ति विभाग</p> <ul style="list-style-type: none"> त्वरित ग्रामीण जलापूर्ति कार्यक्रम (ए.आर.डब्ल्यू.एस.पी.)। स्वजलधारा <p>पंचायती राज मंत्रालय</p> <ul style="list-style-type: none"> 12वें वित्त आयोग की सिफारिशों पर पंचायतों को ब्लॉक अनुदानों का अन्तरण अन्तर को भरने तथा संवर्धन हेतु संयुक्त निधियों के रूप में उपलब्ध पिछड़ा क्षेत्र अनुदान निधि (बी.आर.जी.एफ.)। <p>मानव संसाधन विकास मंत्रालय</p> <ul style="list-style-type: none"> नए विद्यालय हेतु सर्व शिक्षा अभियान (एस.एस.ए.)
3.	रसोई उपकरण	<p>एस.एस.ए. के अन्तर्गत उपलब्ध मानव संसाधन विकास मंत्रालय निधियां</p> <ul style="list-style-type: none"> ₹ 2000 वार्षिक प्रति विद्यालय के वार्षिक विद्यालय अनुदानों से ई.जी.एस. केन्द्रों के लिए ₹ 1000 वार्षिक
4.	विद्यालय स्वास्थ्य कार्यक्रम	<p>स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय</p> <ul style="list-style-type: none"> आवश्यक हस्ताक्षेप, जैसे नियमित स्वास्थ्य जांच, सूक्ष्म पोषक तत्वों के पूरक, डी-वार्मिंग औषधियां आदि राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन के अन्तर्गत ली जा सकती हैं।

अनुबंध-X
(पैराग्राफ 3.6.9 देखें)

अन्य विकास कार्यक्रमों के साथ मध्याह्न भोजन योजना का अभिसरण

क्र.सं.	राज्य	टिप्पणी
1.	आंध्र प्रदेश	राज्य सरकार, रसोई शैड के निर्माण कार्य को पूरा करने के लिए अन्य विकास कार्यक्रमों के साथ एम.डी.एम. के कार्यान्वयन का अभिसरण नहीं कर सकी जिसके परिणामस्वरूप ₹ 581.66 करोड़ तक की केन्द्रीय सहायता उपलब्ध होने के बावजूद इकाईयां पूर्ण नहीं हुई। इस प्रकार, काफी पहले 2006-07 में केन्द्रीय सहायता के जारी होने के बावजूद विद्यालयों के रसोई एवं स्टोर का निर्माण नहीं हुआ था जिसके परिणामस्वरूप एम.डी.एम. खुले क्षेत्रों में ही पकाया जाता रहा जिसके कारण बच्चों को स्वास्थ्यकर स्थितियों में पका हुआ भोजन उपलब्ध कराने का उद्देश्य पूरा नहीं हुआ।
2.	अरुणाचल प्रदेश	विभाग ने संबंधित विभागीय अधिकारियों से रसोई शैडों के निर्माण, पेयजल के प्रावधान, विद्यालय स्वास्थ्य कार्यक्रमों, आदि से संबंधित इनपुट प्राप्त नहीं किए थे अथवा उनसे बातचित नहीं की थी जिसके कारण एक ही लक्ष्य के प्रति विभिन्न एजेंसियों से अलग-अलग प्रयास करने पड़े। एग्जिट कॉन्फ्रेंस के दौरान विभाग ने कहा कि बाल स्वास्थ्य के संबंध में राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन (एन.आर.एच.एम.) और जलापूर्ति के संबंध में लोक स्वास्थ्य अभियंत्रिकी विभाग (पी.एच.ई.डी.) के निकट अभिसरण में लोक एम.डी.एम.एस. लागू किया गया था। यह आश्वस्त किया गया था कि अन्य योजनाओं के साथ भी अभिसरण को सुधारने के प्रयास किए जाएंगे।
3.	असम	संवीक्षा से पता चला कि रसोई एवं स्टोर के निर्माण तथा रसोई उपकरणों की खरीद के संबंध में अन्य किसी कार्यक्रम के साथ कोई अभिसरण नहीं था हालांकि 2009-14 के दौरान केवल 68 प्रतिशत लक्षित रसोईयों का निर्माण हुआ था तथा केवल 28 प्रतिशत विद्यालयों के लिए रसोई उपकरण अधिप्राप्त किए गए थे।
4.	बिहार	नमूना-जांच किए गए छः जिलों में अभिलेखों की संवीक्षा से पता चला कि अभिसरण कार्यक्रम की न तो योजना बनाई गई थी और न ही उस पर एम.डी.एम. के कार्यान्वयन के दौरान विचार किया गया था।
5.	छत्तीसगढ़	संवीक्षा से पता चला कि निदेशक लोक अनुदेश (डी.पी.आई.) ने संबंधित विभागीय पदाधिकारियों से कोई बात नहीं की थी अथवा उनसे रसोई शैड के निर्माण, पेयजल के प्रावधान विद्यालय स्वास्थ्य कार्यक्रमों, आदि के संबंध में इनपुट प्राप्त की थी।
6.	गुजरात	लेखापरीक्षा ने देखा कि अन्य विकासात्मक कार्यक्रम के साथ योजना का अभिसरण, नमूना-जांच किए गए चार में केवल एक जिले (बंसकण्ठ) में ही किया गया था। बंसकण्ठ जिले में, खाद्यान्न के भण्डार कंटेनरों की खरीद के लिए जिला ग्रामीण विकास एजेंसी (डी.आर.डी.ए.) तथा परियोजना प्रशासक से क्रमशः ₹ 42.46 लाख और ₹ 5.00 लाख की राशियां प्राप्त की गई थी। लेखापरीक्षा में मांगने के बावजूद राज्य में अन्य योजनाओं के साथ अभिसरण से संबंधित सूचना आयुक्त (एम.डी.एम.) द्वारा उपलब्ध नहीं कराई गई थी।
7.	जम्मू व कश्मीर	राज्य में अन्य विकास कार्यक्रम के साथ कोई अभिसरण नहीं हुआ था।
8.	झारखण्ड	झारखण्ड राज्य मध्याह्न भोजन प्राधिकरण (जे.एस.एम.डी.एम.ए) ने अन्य विभागों के साथ अन्य विकासात्मक कार्यक्रमों के साथ आंकड़ों का अनुरक्षण नहीं किया।

मध्याह्न भोजन योजना की निष्पादन लेखापरीक्षा

		तथापि, हमने देखा कि नमूना जांच किए गए जिलो में अन्य विभागों के साथ केवल आंशिक अभिसरण था जैसे केवल बोकारो जिले में पिछड़ा क्षेत्र अनुदान योजना एकीकृत कार्य योजना (बी.आर.जी.एफ. आई.ए.मी.) से 808 रसोई एवं भण्डारों का निर्माण किया गया था। नमूना जांच किए गए 120 विद्यालयों में से 115 में स्वास्थ्य विभाग के अधीन राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन (उ.न.च.आर.एम.) द्वारा कोई स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित नहीं किए गए थे।
9.	केरल	अन्य विकास कार्यक्रमों के साथ रसोई सह स्टोर के निर्माण के संबंध में परिवर्तन और एन.आर.एच.एम. के साथ बच्चों को सूक्ष्म-पोषक देना सन्तोषजनक नहीं था।
10.	मणिपुर	विकास कार्यक्रमों के साथ एम.डी.एम. योजना के अभिसरण के अभिप्रेत लाभ प्राप्त नहीं किए जा सके।
11.	मेघालय	2009-10 के ए.डब्ल्यू.पी एवं बी के अनुसार, मेघालय सरकार ने मंत्रालय को सूचित किया कि विद्यालय स्वास्थ्य कार्यक्रम राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य सेवा मिशन (एन.आर.एच.एम) के अनुसरण में किया जा रहा था। तथापि, जैसा कि सितम्बर 2011 को समाप्त त्रैमासिक प्रगति रिपोर्टों (क्यू.पी.आर) में स्पष्ट है, विद्यालय स्वास्थ्य कार्यक्रम 2011-12 के दौरान अर्थात दो वर्ष के अन्तर के बाद ही शुरू हुआ था। अतः 2009-11 के दौरान विद्यालय के बच्चों की पोषण स्थिति का आकलन नहीं किया गया था। इसके अतिरिक्त, रसोई शैडों के निर्माण हेतु राज्य नोडल विभाग द्वारा एस.एम.ए. के साथ अभिसरण हेतु कोई प्रयास शुरू नहीं किया गया था।
12.	मध्य प्रदेश	<p>सभी जिलों में रसोई शैडों के निर्माण का कार्य का अन्य सरकारी कार्यक्रमों के साथ अभिसरण नहीं किया गया था, क्योंकि 2013-14 के दौरान अन्य योजनाओं के अभिसरण के अन्तर्गत 98462 रसोई सह स्टोरों में से केवल 6115 का ही निर्माण किया गया था।</p> <p>2009-14 के दौरान जलापूर्ति एवं रसोई उपकरणों के लिए कोई अभिसरण नहीं देखा गया था।</p> <p>2009-14 के दौरान स्वास्थ्य जांच और सूक्ष्मपोषकों के वितरण का कार्यक्रम भी एम.डी.एम के साथ अभिसरित नहीं पाया गया था। दस नमूना जांच किए गए 300 विद्यालयों की लेखापरीक्षा के दौरान, राज्य, जिला एवं विद्यालय स्तर पर स्वास्थ्य जांच कार्यक्रम नहीं पाए गए थे। तथापि, नमूना जांच किए गए 53 विद्यालयों द्वारा अनुरक्षित रजिस्टरों में स्वास्थ्य जांच रिपोर्टें उल्लिखित की गईं पाई गईं थीं। इन विद्यालयों से विशेषज्ञों के लिए 186 बच्चे भेजे गए थे परन्तु रजिस्टरों में कोई अनुवर्ती कार्रवाई नहीं देखी गई थी। राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन (एन.आर.एच.एम) के अन्तर्गत माध्यमिक विद्यालय कक्षाओं के लिए साप्ताहिक आईरन फोलिक एसिड कार्यक्रम के अन्तर्गत 42 विद्यालयों में सूक्ष्म पोषक वितरित किए गए थे। एग्जिट कॉन्फ्रेंस के दौरान, सरकार ने कहा कि स्वास्थ्य एवं ग्रामीण विकास विभाग की अन्य चालू योजनाओं के साथ एम.डी.एम कार्यक्रम के अभिसरण के प्रयास किए जाएंगे।</p>
13.	नागालैंड	संवीक्षा से पता चला कि विभाग ने संबंधित विभागीय पदाधिकारियों से बातचीत नहीं की अथवा उनसे रसोई शैडों के निर्माण, पेयजल के प्रावधान, विद्यालय स्वास्थ्य कार्यक्रमों आदि से संबंधित सूचना प्राप्त नहीं की जिसके कारण एक ही लक्ष्य के प्रति विभिन्न एजेंसियों के अलग-अलग प्रयास हुए।

मध्याह्न भोजन योजना की निष्पादन लेखापरीक्षा

14.	पंजाब	लेखापरीक्षा ने देखा कि विभाग ने ऐसे अन्य विकास कार्यक्रम कार्यान्वित करने के लिए उत्तरदायी संबंधित विभागीय पदाधिकारियों से रसोई शैडो के निर्माण, पेयजल के प्रावधान, विद्यालय स्वास्थ्य कार्यक्रमों आदि से संबंधित सूचना प्राप्त नहीं की थी। विभाग ने बताया (दिसम्बर 2014) कि पीने योग्य पेयजल की आपूर्ति के मामले में आईरन-फोलिक एसिड गोलियों, अन्य डीवॉर्मिंग गोलियों की आपूर्ति, स्वास्थ्य जांच संबंधित विभागों के साथ अभिसरण किया गया था। उत्तर स्वीकार्य नहीं था क्योंकि अन्य विभागों के साथ अभिसरण न करने के कारण 4901 फेल जल नमूनों के लिए कोई उपचारी कार्रवाई नहीं की गई थी। इसके अतिरिक्त डॉक्टरों ने भी छात्रों की चिकित्सा जांच के लिए 14 विद्यालयों का दौरा नहीं किया था।												
15.	राजस्थान	विद्यालय स्वास्थ्य कार्यक्रम अनिवार्य हस्तक्षेप के साथ योजना का अभिसरण जैसे नियमित स्वास्थ्य जांच, सूक्ष्म-पोषकों की पूरकता डी वार्मिंग औषधियों आदि अभी राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन के अन्तर्गत शुरू किया जाना था।												
16.	त्रिपुरा	यह देखा गया था कि कई विद्यालयों में पेयजल स्रोतों की कमी थी परन्तु विभाग ने उन विद्यालयों में जहां पेयजल उपलब्ध नहीं है, पेयजल स्रोतों के सृजन हेतु महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारण्टी योजना (एम.जी.एन.आर.ई.जी.ए) अथवा अन्य किसी योजना के साथ कोई अभिसरण नहीं किया।												
17.	उत्तर प्रदेश	<p>दिशानिर्देशों में प्रावधान के बावजूद उत्तर प्रदेश सरकार (जी.ओ.यू.पी.) अन्य केन्द्र प्रवर्तित कार्यक्रमों के साथ अभिसरण की योजना बनाने में विफल रही जिसकी चर्चा नीचे की गई है</p> <p>एम.डी.एम. के साथ केन्द्र-प्रवर्तित योजना का अभिसरण न करने और उसके प्रभाव का दर्शाने वाला विवरण</p> <table border="1"> <thead> <tr> <th>केन्द्र प्रवर्तित योजनाओं के नाम</th> <th>अभिसरण की सम्भावना</th> <th>अभिसरण न करने का प्रभाव</th> </tr> </thead> <tbody> <tr> <td>सम्पूर्ण ग्रामीण रोजगार योजना (एस.जी.आर.वाई), शहरी गरीबों के लिए मूलभूत सेवाएं (बी.एस.यू.पी) एवं शहरी मजदूरी रोजगार कार्यक्रम (यू.डब्ल्यू.ई.पी) आदि</td> <td>रसोई सह स्टोर का निर्माण</td> <td>मार्च 2014 के अन्त में 34,404 विद्यालय, रसोई शैडों के बिना चल रहे थे।</td> </tr> <tr> <td>त्वरित ग्रामीण जलापूर्ति कार्यक्रम (ए.आर.डब्ल्यू.एस.पी.) स्वजल चारा एवं सर्व शिक्षा अभियान (एस.एस.ए)</td> <td>जलापूर्ति अपेक्षाएं</td> <td>मार्च 2014 के अन्त तक 3508 विद्यालय पेयजल की उपलब्धता के बिना ही चल रहे थे।</td> </tr> <tr> <td>सर्व शिक्षा अभियान (एस.एस.ए)</td> <td>रसोई उपकरण</td> <td>रसोई उपकरणों/पर्याप्त रसोई उपकरणों की उपलब्धता के बिना 1,04,755 विद्यालय</td> </tr> </tbody> </table>	केन्द्र प्रवर्तित योजनाओं के नाम	अभिसरण की सम्भावना	अभिसरण न करने का प्रभाव	सम्पूर्ण ग्रामीण रोजगार योजना (एस.जी.आर.वाई), शहरी गरीबों के लिए मूलभूत सेवाएं (बी.एस.यू.पी) एवं शहरी मजदूरी रोजगार कार्यक्रम (यू.डब्ल्यू.ई.पी) आदि	रसोई सह स्टोर का निर्माण	मार्च 2014 के अन्त में 34,404 विद्यालय, रसोई शैडों के बिना चल रहे थे।	त्वरित ग्रामीण जलापूर्ति कार्यक्रम (ए.आर.डब्ल्यू.एस.पी.) स्वजल चारा एवं सर्व शिक्षा अभियान (एस.एस.ए)	जलापूर्ति अपेक्षाएं	मार्च 2014 के अन्त तक 3508 विद्यालय पेयजल की उपलब्धता के बिना ही चल रहे थे।	सर्व शिक्षा अभियान (एस.एस.ए)	रसोई उपकरण	रसोई उपकरणों/पर्याप्त रसोई उपकरणों की उपलब्धता के बिना 1,04,755 विद्यालय
केन्द्र प्रवर्तित योजनाओं के नाम	अभिसरण की सम्भावना	अभिसरण न करने का प्रभाव												
सम्पूर्ण ग्रामीण रोजगार योजना (एस.जी.आर.वाई), शहरी गरीबों के लिए मूलभूत सेवाएं (बी.एस.यू.पी) एवं शहरी मजदूरी रोजगार कार्यक्रम (यू.डब्ल्यू.ई.पी) आदि	रसोई सह स्टोर का निर्माण	मार्च 2014 के अन्त में 34,404 विद्यालय, रसोई शैडों के बिना चल रहे थे।												
त्वरित ग्रामीण जलापूर्ति कार्यक्रम (ए.आर.डब्ल्यू.एस.पी.) स्वजल चारा एवं सर्व शिक्षा अभियान (एस.एस.ए)	जलापूर्ति अपेक्षाएं	मार्च 2014 के अन्त तक 3508 विद्यालय पेयजल की उपलब्धता के बिना ही चल रहे थे।												
सर्व शिक्षा अभियान (एस.एस.ए)	रसोई उपकरण	रसोई उपकरणों/पर्याप्त रसोई उपकरणों की उपलब्धता के बिना 1,04,755 विद्यालय												

		<ul style="list-style-type: none"> राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन (एन.आर.एच.एम) तथा एस.एस.ए के अधीन कुछ विद्यालयों में क्रमश विद्यालय स्वास्थ्य कार्यक्रम तथा रसोई के निर्माण जैसे क्रियाकलाप, योजना के किसी अभिसरण के बिना ही शुरू कर दिए गए थे। निदेशक, पंचायती राज ने उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा प्रस्तावित (जनवरी 2013) एप्रन, दस्ताने और केप, सम्पूर्ण स्वाच्छता अभियान के माध्यम से उपलब्ध कराने में अपनी असमर्थता व्यक्त की (मार्च 2013)। इसी प्रकार, निर्मल भारत अभियान के साथ अभिसरण के माध्यम से स्वच्छता और स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए रसोईयों को प्रशिक्षण देने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा की गई पहल (अप्रैल 2013), जिलों द्वारा खराब प्रतिक्रिया के कारण सफल नहीं हुई । <p>ये उदाहरण दर्शाते हैं कि अन्य केन्द्र-प्रवर्तित योजनाओं के साथ अभिसरण के प्रति केवल अनौपचारिक प्रयास ही किए गए थे।</p>
18.	उत्तराखण्ड	यह देखा गया था कि एन.आर.एच.एम को छोड़कर किसी भी केन्द्र प्रवर्तित योजना के साथ कोई अभिसरण नहीं हुआ जिसके अन्तर्गत प्राथमिक तथा उच्च प्राथमिक विद्यालयों के स्वास्थ्य जांच के दौरान सभी विद्यालय के बच्चों को सूक्ष्म पोषक पूरक और डी वार्मिंग औषधियां उपलब्ध कराई जानी थी। नमूनागत जिलों में, यह देखा गया था कि 2010-14 की अवधि के दौरान निर्धारित प्रतिमानों के प्रति केवल चालीस प्रतिशत स्वास्थ्य जांच की गई थी। इसके अतिरिक्त, विद्यालयों को स्वास्थ्य विभाग द्वारा स्वास्थ्य जांच के दौरान बच्चों को सूक्ष्म पोषक पूरकों और डी वार्मिंग औषधियों के वितरण के ब्यौरों की जानकारी नहीं थी।
19.	अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह	अभिलेखों से पता चला कि प्रशासन के पास अन्य योजनाओं के साथ अभिसरण के माध्यम से एम.डी.एम.एस के कार्यान्वयन की प्रक्रिया को तेज करने की कोई प्रणाली नहीं थी।

अनुबंध-XI

(पैराग्राफ सं. 3.7 के संदर्भ में)

2006-07 से 2013-14 के दौरान संस्वीकृत एवं निर्मित रसोई सह भंडार शैड की संख्या का राज्य वार विवरण

क्र.सं.	राज्य/सं.शा.क्षे.	2006-07 से 2013-14 के दौरान संस्वीकृत रसोई सह भंडारों की संख्या	31.03.2014 को रसोई सह भंडारों की प्रगति	
			निर्मित	
			संख्या	प्रतिशत
1.	आंध्र प्रदेश	75283	12908	17
2.	अरुणाचल प्रदेश	4131	4085	99
3.	असम	56795	38711	68
4.	बिहार	66550	46140	69
5.	छत्तीसगढ़	47266	38044	80
6.	गोवा	0	0	0
7.	गुजरात	19868	18388	93
8.	हरियाणा	11483	7414	65
9.	हिमाचल प्रदेश	14959	13638	91
10.	जम्मू एवं कश्मीर	11815	11442	97
11.	झारखंड	39001	20654	53
12.	कर्नाटक	40477	28952	72
13.	केरल	2450	318	13
14.	मध्य प्रदेश	100751	86680	86
15.	महाराष्ट्र	71783	41623	58
16.	मणिपुर	3053	1174	38
17.	मेघालय	9491	7613	80
18.	मिजोरम	2396	2396	100
19.	नागालैंड	2223	2209	99
20.	ओडिशा	69152	36121	52
21.	पंजाब	18969	16413	87
22.	राजस्थान	77298	44828	58
23.	सिक्किम	936	800	85
24.	तमिलनाडु	28470	7682	27
25.	त्रिपुरा	5144	4260	83
26.	उत्तर प्रदेश	122572	110245	90
27.	उत्तराखंड	16989	8904	52
28.	पश्चिम बंगाल	81314	58822	72
29.	अं.एवं नि. द्वीप समूह	251	5	2
30.	चंडीगढ़	10	7	70
31.	दा. एवं ना. हवेली	50	1	2

2015 की प्रतिवेदन सं. 36

32.	दमन एवं दीव	32	26	81
33.	दिल्ली	0	0	0
34.	लक्षद्वीप	0	0	0
35.	पुदुचेरी	92	92	100
कुल	सम्पूर्ण भारत	1001054	670595	

अनुबंध-XII

(पैराग्राफ सं. 3.7 के संदर्भ में)

भोजन पकाने के लिए आधारभूत संरचना का प्रावधान करना

क्र.सं.	राज्य	टिप्पणियां
1.	आंध्र प्रदेश	<p>120 नमूना जांच किए गए विद्यालयों में से 85 में पक्का रसोईघर शैड नहीं था तथा भोजन खुले क्षेत्र/कक्षाओं/सी.सी.एच. घर में पकाया गया था।</p> <p>120 नमूना जांच किए गए विद्यालयों में से 44 विद्यालयों में रसोईघर बर्तन उपलब्ध नहीं थे।</p> <p>120 नमूना जांच किए गए विद्यालयों में से 98 विद्यालयों के पास एल.पी.जी. कनेक्शन नहीं थे।</p> <p>120 नमूना जांच किए गए विद्यालयों में से 49 में पेय जल सुविधा नहीं थी।</p>
2.	अरुणाचल प्रदेश	<p>90 नमूना जांच किए गए विद्यालयों में से 70 (77.77 प्रतिशत) में पक्का रसोईघर सह भण्डार नहीं था। भोजन खाली कक्षाओं में पकाया गया था।</p> <p>नमूना जांच किए गए 90 विद्यालयों में से 28 (31 प्रतिशत) में पेय जल सुविधा नहीं थी।</p> <p>90 नमूना जांच किए गए विद्यालयों में से 88 (98 प्रतिशत) में भोजन पकाने हेतु गैस आधारित (एल.पी.जी.) स्टोव/चूल्हे नहीं थे तथा लकड़ी/सूखे बांस का भोजन पकाने हेतु ईंधन के रूप में उपयोग किया गया था।</p>
3.	असम	<p>120 नमूना जांच किए गए विद्यालयों में से 33 में पक्का रसोईघर सह भण्डार नहीं थे। निर्माण किए गए किसी भी रसोईघर में भण्डारण सुविधा का प्रावधान नहीं रखा गया था जिसके अभाव में चावल/अनाज को फर्श पर रखा गया था जो खाद्य सामग्री को कीड़ों एवं कीटों का जोखिम डाल रहा था।</p> <p>120 नमूना जांच किए गए विद्यालयों में से 50 में अपेक्षित भोजन पकाने के बर्तन नहीं थे जबकि 75 विद्यालयों में बच्चों को भोजन लेने हेतु अपनी स्वयं की प्लेटे लानी होती थी।</p> <p>120 नमूना जांच किए गए विद्यालयों में से 20 में पेयजल सुविधा नहीं थी।</p>
4.	बिहार	<p>180 नमूना जांच किए गए विद्यालयों में से 81 में रसोईघर शैड नहीं थे। भोजन कक्षाओं/वरांदा/ करीब के निजी घर आदि में पकाया गया था।</p> <p>151 नमूना जांच किए गए विद्यालयों में अनाज को कक्षाओं में रखा गया था।</p> <p>180 नमूना जांच किए गए विद्यालयों में से 132 में प्लेटे/ग्लास पूर्ण रूप से अनुपलब्ध थे।</p> <p>किसी भी नमूना जांच किए गए विद्यालय में घुंआ रहित चूल्हों का उपयोग नहीं किया जा रहा था बल्कि पर्यावरणीय हित के विरुद्ध लकड़ी का ईंधन के रूप में उपयोग किया जा रहा था।</p>
5.	छत्तीसगढ़	<p>120 नमूना जांच किए गए में से 24 (20 प्रतिशत) में पक्का रसोईघर सह भण्डार नहीं था तथा एम.डी.एम. को सामुदायिक हाल के खुले क्षेत्र में पकाया जा रहा तथा व्यवस्था को कक्षा में ले जाया गया था।</p> <p>120 नमूना जांच किए गए विद्यालयों में स्वच्छ पेय जल सुविधा उपलब्ध नहीं थी तथा बच्चों को जल सुविधा प्रदान करने हेतु हैंड पम्प तथा बोरवैल का उपयोग किया जा रहा था।</p>

मध्याह्न भोजन योजना की निष्पादन लेखापरीक्षा

6.	गुजरात	नमूना जांच किए गए 120 विद्यालयों में से 32 में रसोईघर सह भण्डार नहीं था जिसमें से नौ विद्यालयों में भोजन आयोजक के आवास में पकाया जा रहा था।
		120 नमूना जांच किए विद्यालयों में से 14 में गैस आधारित भोजन पकाने की सुविधा नहीं थी जबकि 52 विद्यालयों में भोजन पकाने हेतु लकड़ियों का उपयोग किया गया था जबकि उनके पास गैस आधारित भोजन पकाने की सुविधा थी।
		6 विद्यालयों में रसोईघर उपकरण (बर्तन) उपलब्ध नहीं थे।
7.	झारखंड	120 नमूना जांच किए गए विद्यालयों में से 28 में पक्का रसोईघर शैड नहीं था। भोजन को विद्यालय के वारादे अथवा विद्यालय परिसर के भीतर तैयार अस्थायी संरचना में पकाया जा रहा था।
8.	केरल	60 नमूना जांच किए गए विद्यालयों में से 54 में एल.पी.जी. कनेक्शन नहीं था तथा भोजन पकाने लकड़ी का उपयोग किया गया था।
		सभी 60 नमूना जांच किए गए विद्यालयों में पक्का रसोईघर शैड सह भण्डार नहीं थे। 18 विद्यालयों में कोई भण्डारण सुविधा नहीं थी तथा एच.एम.कक्ष/स्टाफ रूम का भण्डारण कक्ष के रूप में उपयोग किया गया था।
9.	मध्य प्रदेश	116 विद्यालयों में एम.डी.एम. को रसोईघर शैडों में तैयार नहीं किया गया था। यह पाया गया था कि एम.डी.एम. को 52 विद्यालयों के लिए एस.एच.जी. के अध्यक्ष के आवास में, 27 विद्यालयों के लिए कक्षा में तथा 37 विद्यालयों में अन्य सार्वजनिक बिल्डिंगों में पकाया गया था।
		300 नमूना जांच किए गए विद्यालयों में से 102 में भोजन प्रदान करने हेतु बर्तनों की पर्याप्त संख्या नहीं थी।
		300 नमूना जांच किए गए विद्यालयों में से 229 में एल.पी.जी. कनेक्शन नहीं थे तथा लकड़ी/गाय के व्यर्थ का ईंधन के रूप में उपयोग किया गया था।
10.	महाराष्ट्र	149 नमूना जांच किए गए विद्यालयों में से: i) 37 विद्यालयों में रसोईघर शैड नहीं थे। ii) 8 विद्यालयों में पेय जल सुविधा नहीं थी। iii) 52 विद्यालयों में बर्तन नहीं थे। iv) 82 विद्यालयों में एल.पी.जी. गैस/धुंआ रहित चूल्हे नहीं थे।
11.	मणिपुर	60 नमूना जांच किए गए विद्यालयों में 56 में पक्का रसोईघर तथा भण्डार शैड नहीं थे।
		60 नमूना जांच किए गए में से 21 में सभी अपेक्षित बर्तन नहीं थे।
		60 नमूना जांच किए गए विद्यालयों में से 24 में साफ पेय जल नहीं था।
		60 नमूना जांच किए गए विद्यालयों में से 54 में धुंआ रहित चूल्हा/गैस स्टोव नहीं था। एम.डी.एम. तैयार करने हेतु लकड़ी का उपयोग किया जा रहा था।
12.	मेघालय	60 नमूना जांच किए गए विद्यालयों में से 3 में रसोईघर सह भण्डार नहीं था।
		60 नमूना जांच किए गए विद्यालयों में से 13 में रसोई घर उपकरण नहीं थे।
13.	नागालैंड	नमूना जांच किए गए 60 विद्यालयों में से: i) सात विद्यालयों में रसोईघर शैड नहीं थे।

		<p>ii) 26 विद्यालयों में पर्याप्त बर्तन नहीं थे।</p> <p>iii) 55 विद्यालयों में एल.पी.जी कनेक्शन/घुंआ रहित चूल्हे नहीं थे तथा 44 विद्यालयों में एम.डी.एम. हेतु लकड़ी का उपयोग किया जा रहा था।</p> <p>iv) 13 विद्यालयों में पेय जल सुविधा नहीं थी।</p>
14.	ओडिशा	<p>148 नमूना जांच किए गए विद्यालयों में से 75 (51 प्रतिशत) में रसोईघर शैड नहीं थे तथा भोजन खुले स्थान/वारांदा/पुरानी कक्षाओं में पकाया गया था। भण्डार कक्ष 135 नमूना जांच किए गए विद्यालयों में उपलब्ध नहीं थे तथा अनाज का कक्षा/एच.एम.कक्ष में भण्डारण किया गया था।</p> <p>148 नमूना जांच किए गए विद्यालयों में से 48 में रसोईघर बर्तन नहीं थे।</p> <p>148 नमूना जांच किए गए विद्यालयों में से 31 (21 प्रतिशत) में पेय जल सुविधा नहीं थी।</p>
15.	राजस्थान	<p>143 नमूना जांच किए गए विद्यालयों में से 42 में रसोईघर शैड नहीं थे, 31 में भोजन पकाने के बर्तन नहीं थे, 38 में पेय जल सुविधा नहीं थी तथा 82 विद्यालयों में एल.पी.जी. घुंआ रहित चूल्हे नहीं थे।</p>
16.	सिक्किम	<p>60 नमूना जांच किए गए विद्यालयों में से 19 रसोईघर उपकरणों का उपयोग नहीं कर सके थे क्योंकि इन उपकरणों का आकार भोजन प्रदान करने की आवश्यकता से बड़ा था।</p> <p>2 विद्यालय नामतः तिगदाक्षस तथा गैरिपस में जल आपूर्ति नहीं थी तथा भोजन को निजी जल आपूर्ति से जल लाकर तैयार किया जा रहा था।</p>
17.	तमिलनाडु	<p>नमूना-जांच किए गए 150 में से 48 विद्यालयों में पक्के रसोई शैड नहीं थे जबकि नमूना जांच किए गए 150 में से 7 विद्यालयों में रसोई शैडों के अभाव में ईंधन के रूप में जलाऊ लकड़ी का प्रयोग करके खुले स्थान पर भोजन बनाया गया था।</p> <p>नमूना-जांच किए गए 150 में से 141 विद्यालयों में एल.पी.जी. गैस कनेक्शन नहीं थे तथा ईंधन के रूप में जलाऊ लकड़ी के इस्तेमाल से विद्यालय के बच्चों को आग का खतरा था।</p> <p>नमूना-जांच किए गए 150 में से 11 विद्यालयों में पेयजल सुविधा नहीं थी।</p>
18.	त्रिपुरा	<p>नमूना-जांच किए गए 96 में से 20 प्रतिशत (19) विद्यालयों में पर्याप्त रसोई उपकरण नहीं थे।</p> <p>नमूना-जांच किए गए 96 में से 16 (17 प्रतिशत) विद्यालयों में पेयजल सुविधा उपलब्ध नहीं थी।</p>
19.	उत्तर प्रदेश	<p>नमूना-जांच किए गए 360 में से 73 विद्यालयों में रसोई शैड नहीं थे जबकि रसोई शैडों की उपलब्धता के बावजूद, 11 विद्यालय खुले स्थान में भोजन बना रहे थे।</p> <p>नमूना-जांच किए गए 360 विद्यालयों में से 41 में पर्याप्त रसोई के बर्तन नहीं थे।</p> <p>नमूना-जांच किए गए 360 में से 153 विद्यालयों में गैस के चूल्हे नहीं थे तथा भोजन बनाने के लिए जलाऊ/गाय के गोबर के उपलों का प्रयोग किया जा रहा था।</p>

20.	उत्तराखंड	<p>नमूना-जांच किए गए 60 में से 10 विद्यालयों में पक्के रसोई एवं स्टोर नहीं थे। एम.डी.एम बनाने तथा खाद्यान्नों के भण्डारण हेतु कक्षा कमरों का इस्तेमाल किया जा रहा था।</p> <p>नमूना-जांच किए गए 60 में से 8 विद्यालयों में पर्याप्त रसोई उपकरण नहीं थे।</p> <p>नमूना जांच किए गए 66 में से 8 विद्यालयों में पेयजल सुविधा नहीं थी।</p> <p>नमूना-जांच किए गए 60 में से 50 प्रतिशत (30) विद्यालयों में एल.पी.जी. कनेक्शन नहीं थे। भोजन जलाऊ लकड़ी वाले चूल्हों पर बनाया जा रहा था।</p>
21.	पश्चिम बंगाल	<p>नमूना-जांच किए गए 88 में से 15 विद्यालयों (2 विद्यालयों में एम.डी.एम. शुरू नहीं किया था) में पक्के रसोई शैड नहीं थे तथा भोजन अस्थायी शैडों, बरामदों, खुले स्थानों आदि में पकाया जा रहा था। इसके अतिरिक्त, नमूना-जांच किए गए 88 में से 17 विद्यालयों ने कम स्थान के कारण रसोई शैड इस्तेमाल नहीं किए थे तथा भोजन अन्य अस्वास्थ्यकर स्थानों में पकाया गया था।</p> <p>नमूना जांच किए गए 88 विद्यालयों में से:</p> <ol style="list-style-type: none"> 1. 8(9 प्रतिशत) विद्यालयों में पेयजल सुविधा उपलब्ध नहीं थी। 2. 14(16 प्रतिशत) विद्यालयों में पर्याप्त बर्तन नहीं थे। 3. 67(76 प्रतिशत) विद्यालयों में घुएं-रहित चूल्हे नहीं थे।
22.	अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह	उत्तरी एवं मध्य अंडमान जिलों में 30 विद्यालयों में एल.पी.जी. कनेक्शन नहीं था तथा भोजन जलाऊ लकड़ी की सुविधा के साथ बनाया गया था।
23.	दमन एवं दीव	<p>नमूना-जांच किए गए 30 में से 6 विद्यालयों में पक्की रसोईयां एवं स्टोर नहीं थे तथा भोजन पकाने और खाद्यान्नों के भण्डारण हेतु कक्षा कमरे इस्तेमाल किए जा रहे थे।</p> <p>नमूना-जांच किए गए 30 में से 10 विद्यालयों में न तो कोई आर.ओ. प्लांट था और न ही वाटर फिल्टर उपलब्ध था जबकि शेष 15 विद्यालयों में यह उपलब्ध तो थे परन्तु खराब पाए गए थे।</p>
24.	दादरा एवं नगर हवेली	<p>नमूना-जांच किए गए सभी 30 विद्यालयों में पक्के रसोईघर शैड नहीं थे।</p> <p>नमूना-जांच किए गए 30 में से 10 विद्यालयों में कोई आर.ओ. प्लांट अथवा फिल्टर वाटर उपलब्ध नहीं था।</p>
25.	लक्षद्वीप	कावारत्ती एवं अगत्ती द्वीपसमूह में सभी 10 विद्यालयों में एल.पी.जी. कनेक्शन/घुआं-रहित चूल्हे नहीं थे।
26.	पुदुचेरी	नमूना जांच किए गे 60 में से 22 विद्यालयों में एल.पी.जी. कनेक्शन नहीं थे। भोजन जलाऊ लकड़ी का प्रयोग करके बनाया जा रहा था।

अनुबंध-XIII

(पैराग्राफ सं. 3.8 देखें)

परिवहन प्रभारों का अधिक दावा

क्र.सं.	राज्य	टिप्पणी																																								
1.	आंध्र प्रदेश	अभिलेखों की संवीक्षा से पता चला कि वर्ष 2010-14 के लिए जिला प्रबंधक, आंध्र प्रदेश राज्य सिविल आपूर्ति निगम लिमिटेड (ए.पी.एस.सी.एस.सी.एल) ₹151.76 लाख और डी.ई.ओ, अदिलाबाद ₹162.89 लाख के बीच परिवहन प्रभारों के भुगतान में ₹11.13 लाख का अन्तर था।																																								
2.	छत्तीसगढ़	वर्ष 2009-10 से 2013-14 के दौरान 4,34,259.22 एम.टी. खाद्यान्नों का परिवहन किया गया था तथा नोडल एजेंसी को नागरिक आपूर्ति निगम (एन.ए.एन.) को 750 प्रति एम.टी. पर ₹32.57 करोड़ का भुगतान करना था। इसके प्रति, नोडल एजेंसी ने ₹32.98 करोड़ का भुगतान किया था जिसके परिणामस्वरूप एन.ए.एन. ने खाद्यान्नों की परिवहन लागत के प्रति ₹41 लाख का अधिक भुगतान किया।																																								
3.	हरियाणा	निदेशालय ने ₹14.45 करोड़ की देय राशि के प्रति इन एजेंसियों को ₹14.94 करोड़ का भुगतान किया जिसके परिणामस्वरूप ₹0.49 करोड़ का अधिक भुगतान हुआ जिसका विवरण नीचे दिया गया है:																																								
<table border="1"> <thead> <tr> <th>वर्ष</th> <th>उठाए गए कुल खाद्यान्न (एम.टी. में)</th> <th>750 प्रति एम.टी. की दर पर देय राशि</th> <th>प्रदत्त राशि</th> <th>कम/अधिक भुगतान</th> </tr> <tr> <th colspan="5">(₹ करोड़ में)</th> </tr> </thead> <tbody> <tr> <td>2009-10</td> <td>30169.73</td> <td>2.26</td> <td>2.14</td> <td>(-) 0.12</td> </tr> <tr> <td>2010-11</td> <td>29893.90</td> <td>2.24</td> <td>2.04</td> <td>(-) 0.20</td> </tr> <tr> <td>2011-12</td> <td>42776.07</td> <td>3.21</td> <td>4.07</td> <td>(+) 0.86</td> </tr> <tr> <td>2012-13</td> <td>45986.37</td> <td>3.45</td> <td>3.11</td> <td>(-) 0.34</td> </tr> <tr> <td>2013-14</td> <td>43848.86</td> <td>3.29</td> <td>3.58</td> <td>(+) 0.29</td> </tr> <tr> <td>कुल</td> <td>192674.93</td> <td>14.45</td> <td>14.94</td> <td>(+) 0.49</td> </tr> </tbody> </table>			वर्ष	उठाए गए कुल खाद्यान्न (एम.टी. में)	750 प्रति एम.टी. की दर पर देय राशि	प्रदत्त राशि	कम/अधिक भुगतान	(₹ करोड़ में)					2009-10	30169.73	2.26	2.14	(-) 0.12	2010-11	29893.90	2.24	2.04	(-) 0.20	2011-12	42776.07	3.21	4.07	(+) 0.86	2012-13	45986.37	3.45	3.11	(-) 0.34	2013-14	43848.86	3.29	3.58	(+) 0.29	कुल	192674.93	14.45	14.94	(+) 0.49
वर्ष	उठाए गए कुल खाद्यान्न (एम.टी. में)	750 प्रति एम.टी. की दर पर देय राशि	प्रदत्त राशि	कम/अधिक भुगतान																																						
(₹ करोड़ में)																																										
2009-10	30169.73	2.26	2.14	(-) 0.12																																						
2010-11	29893.90	2.24	2.04	(-) 0.20																																						
2011-12	42776.07	3.21	4.07	(+) 0.86																																						
2012-13	45986.37	3.45	3.11	(-) 0.34																																						
2013-14	43848.86	3.29	3.58	(+) 0.29																																						
कुल	192674.93	14.45	14.94	(+) 0.49																																						
इसके अतिरिक्त, विभाग ने अधिकतम ₹75 प्रति क्विंटल की दर पर परिवहन लागत अनुमत की थी जबकि योजना दिशानिर्देशों के अनुसार, यदि वास्तविक लागत इससे अधिक हो, तो लिफ्टिंग एजेंसी को कम राशि दी जानी थी परन्तु विभाग ने परिवहन लागत की प्रतिपूर्ति करते समय इस पहलू को ध्यान में नहीं रखा था।																																										
4.	मध्य प्रदेश	मध्य प्रदेश राज्य नागरिक आपूर्ति निगम (एम.पी.एस.सी.एस.सी) के संशोधित अनुदेशों के अनुसार (अप्रैल 2013), खाद्यान्न एम.पी.एस.सी.एस.सी द्वारा वर्ष 2013-14 से उनके अपने आपूर्ति केन्द्र से सीधे एफ.सी.आई. बेस डिपो से खाद्यान्न उठाने के बजाय लीड/लिंक समितियों को आपूर्ति किए गए थे। तथापि, यह पाया गया था कि राज्य सरकार ने एफ.सी.आई. बेस डिपो से एम.पी.एस.सी.एस.सी आपूर्ति केन्द्र को खाद्यान्नों के परिवहन हेतु ₹38 प्रति क्विंटल की दर पर खाद्यान्नों के परिवहन प्रभारों के रूप में एम.पी.एस.सी.एस.सी को ₹4.47 करोड़ का भुगतान किया। इसके परिणामस्वरूप एम.पी.एस.सी.एस.सी को ₹4.47 करोड़ का अनियमित भुगतान हुआ।																																								

5.	मणिपुर	<p>प्रतिमानों के अनुसार, निकटतम एफ.सी.आई. गोदाम से विद्यालय को खाद्यान्नों के परिवहन हेतु खर्च की गई वास्तविक लागत की मंत्रालय द्वारा प्रतिपूर्ति की जाएगी। मंत्रालय ने राज्य सरकार को निर्देश दिया कि दिसम्बर 2009 से परिवहन सहायता, राज्य में सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पी.डी.एस) के अन्तर्गत प्रचलित दर पर ग्राह्य होगी। मणिपुर राज्य ने 31 अगस्त 2010 से ₹15.42 प्रति एम.टी. प्रति किलोमीटर पर खाद्यान्न के परिवहन की लागत संशोधित की।</p> <p>इम्फाल पूर्वी जिले के नमूनागत जिलों के क्षेत्रीय कार्यालयों द्वारा अनुरक्षित अभिलेखों की नमूना-जांच ने दर्शाया कि 2009-13 के दौरान, जिला के विभाग/क्षेत्रीय अधिकारियों ने नौ जिलों की परिवहन एजेंसियों को 2011-14 के दौरान ₹90.99 लाख की राशि की पी.डी.एस. की ग्राह्य दर के प्रति एफ.सी.आई. इम्फाल कार्यालय से जिला गोदामों को 12,623 एम.टी. खाद्यान्न के परिवहन हेतु ₹299.15 लाख की राशि के परिवहन प्रभारों का भुगतान किया। इस प्रकार, मंत्रालय के निर्देश के उल्लंघन में पी.डी.एस दर पर परिवहन एजेंसी को परिवहन लागत के भुगतान में विफलता के परिणामस्वरूप लगभग ₹2.08 करोड़ की परिवहन लागत का अधिक भुगतान हुआ।</p>																																																			
6.	मेघालय	<p>2010-14 की अवधि के दौरान, राज्य सरकार ने उपायुक्त (आपूर्ति), पूर्वी खसी हिल्स, शिलांग को 9265.98 एम.टी. खाद्यान्न आबंटित किए तथा खाद्यान्न की परिवहन लागत के लिए, डी.एस.ई.एल. ने उसी अवधि के दौरान उपायुक्त (आपूर्ति) को ₹104.15 लाख जारी किए। तथापि, यह देखा गया था कि उपायुक्त (आपूर्ति), शिलांग द्वारा 9265.98 एम.टी. में से केवल 8927.90 एम.टी. खाद्यान्न उठाया गया था। इसके परिणामस्वरूप ₹16.66 लाख अधिक जारी हुए।</p>																																																			
7.	नागालैंड	<p>मंत्रालय ने 1 दिसम्बर 2009 से संबंधित राज्यों में सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अन्तर्गत प्रचलित दर ₹125 प्रति क्विंटल की एक समान दर पर वर्तमान परिवहन सहायता संशोधित थी।</p> <p>दो चयनित जिलों में 5 उप-मण्डलीय शिक्षा अधिकारियों (एस.डी.ई.ओ.) के अभिलेखों की संवीक्षा से पता चला कि ढुलाई ठेकेदार द्वारा दावित परिवहन लागत को स्वीकार करते हुए विभाग द्वारा संशोधित दर का अनुसरण नहीं किया गया था। एस.डी.ई.ओ. को परिवहन किए गए खाद्यान्नों तथा लागू पी.डी.एस. दरों के विवरण नीचे दिए गए हैं :</p> <table border="1" data-bbox="486 1413 1423 2027"> <thead> <tr> <th>अवधि</th> <th>एफ.सी.आई.एफ. एस.डी. दीमापुर से</th> <th>खाद्यान्नों की ढोई गई मात्रा (क्विंटल में)</th> <th>ग्राह्य दर (प्रति क्विंटल)</th> <th>अनुमत दर (प्रति क्विंटल)</th> <th>अन्तर (प्रति क्विंटल)</th> <th>राशि (अधिक (+)/कम (-) में)</th> </tr> </thead> <tbody> <tr> <td rowspan="5">01-12.09 से 31.03.10</td> <td>एस.डी.ई.ओ दीमापुर</td> <td>1534.36</td> <td>6</td> <td>125</td> <td>119</td> <td>182588.84</td> </tr> <tr> <td>एस.डी.ई.ओ. निऊलैंड</td> <td>462.00</td> <td>16</td> <td>125</td> <td>109</td> <td>50358</td> </tr> <tr> <td>एस तुएनसंग</td> <td>974.70</td> <td>80</td> <td>125</td> <td>45</td> <td>43861.5</td> </tr> <tr> <td>एस.डी.ई.ओ. नोकलक</td> <td>372.34</td> <td>130</td> <td>125</td> <td>-5</td> <td>-1861.70</td> </tr> <tr> <td>एस.डी.ई.ओ. शामाटोर</td> <td>206.18</td> <td>130</td> <td>125</td> <td>-5</td> <td>-1030.90</td> </tr> <tr> <td rowspan="2">01.04.10 से 31.03.14</td> <td>एस.डी.ई.ओ दीमापुर</td> <td>32019.72</td> <td>10</td> <td>125</td> <td>115</td> <td>3682267.80</td> </tr> <tr> <td>एस.डी.ई.ओ. निऊलैंड</td> <td>8892.13</td> <td>26</td> <td>125</td> <td>99</td> <td>880320.87</td> </tr> </tbody> </table>	अवधि	एफ.सी.आई.एफ. एस.डी. दीमापुर से	खाद्यान्नों की ढोई गई मात्रा (क्विंटल में)	ग्राह्य दर (प्रति क्विंटल)	अनुमत दर (प्रति क्विंटल)	अन्तर (प्रति क्विंटल)	राशि (अधिक (+)/कम (-) में)	01-12.09 से 31.03.10	एस.डी.ई.ओ दीमापुर	1534.36	6	125	119	182588.84	एस.डी.ई.ओ. निऊलैंड	462.00	16	125	109	50358	एस तुएनसंग	974.70	80	125	45	43861.5	एस.डी.ई.ओ. नोकलक	372.34	130	125	-5	-1861.70	एस.डी.ई.ओ. शामाटोर	206.18	130	125	-5	-1030.90	01.04.10 से 31.03.14	एस.डी.ई.ओ दीमापुर	32019.72	10	125	115	3682267.80	एस.डी.ई.ओ. निऊलैंड	8892.13	26	125	99	880320.87
अवधि	एफ.सी.आई.एफ. एस.डी. दीमापुर से	खाद्यान्नों की ढोई गई मात्रा (क्विंटल में)	ग्राह्य दर (प्रति क्विंटल)	अनुमत दर (प्रति क्विंटल)	अन्तर (प्रति क्विंटल)	राशि (अधिक (+)/कम (-) में)																																															
01-12.09 से 31.03.10	एस.डी.ई.ओ दीमापुर	1534.36	6	125	119	182588.84																																															
	एस.डी.ई.ओ. निऊलैंड	462.00	16	125	109	50358																																															
	एस तुएनसंग	974.70	80	125	45	43861.5																																															
	एस.डी.ई.ओ. नोकलक	372.34	130	125	-5	-1861.70																																															
	एस.डी.ई.ओ. शामाटोर	206.18	130	125	-5	-1030.90																																															
01.04.10 से 31.03.14	एस.डी.ई.ओ दीमापुर	32019.72	10	125	115	3682267.80																																															
	एस.डी.ई.ओ. निऊलैंड	8892.13	26	125	99	880320.87																																															

मध्याह्न भोजन योजना की निष्पादन लेखापरीक्षा

		एस.डी.ई.ओ. तुएनसंग	17354.68	128	125	-3	-52064.04	
		एस.डी.ई.ओ. नोकलक	7626.84	208	125	-83	-633027.72	
		एस.डी.ई.ओ. शमाटोर	7251.07	208	125	-83	-601838.81	
		अधिक परिवहन लागत:						3549573.84
		इस प्रकार, विभाग ने पांच वर्ष की अवधि के दौरान खाद्यान्न की परिवहन लागत की संशोधित दर की अवहेलना करके ₹35.50 लाख का अधिक व्यय किया।						
8.	त्रिपुरा	2012-13 के दौरान मंत्रालय द्वारा आबंटित 10494.200 एम.टी. चावल में से, एफ.सी.आई. ने 10199.164 एम.टी. चावल जारी किया और चावल की उस मात्रा के लिए बिल का दावा किया। तदनुसार, जिला शिक्षा अधीक्षक (डी.एस.ई.) ने केवल 10199.164 एम.टी. के लिए भुगतान किया। परन्तु नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग (डी.एफ.सी.एस.सी.ए.डी.) ने ₹1580 प्रति एम.टी. की दर पर 10494.200 एम.टी. के लिए परिवहन प्रभार एवं डीलर प्रभार का दावा किया तथा तदनुसार डी.एस.ई. ने राशि का भुगतान कर दिया। इस प्रकार डी.एस.ई. ने 295.036 एम.टी. चावल के लिए ₹4.66 लाख का अधिक भुगतान किया जो एफ.सी.आई. द्वारा जारी नहीं किया गया था।						
9.	उत्तर प्रदेश	<p>नमूना जांच किए गए जिलों की लेखापरीक्षा से पता चला कि:</p> <p>(i) 6 चयनित जिलों में से पांच के संबंध में (कानपुर नगर ने वांछित सूचना नहीं दी), जहां उत्तर प्रदेश राज्य खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग (यू.पी.एफ एवं सी.एस.डी) परिवहन एजेंसी थी, पता चला कि ₹3.67 करोड़ का अधिक भुगतान किया गया था।</p> <p>(ii) कानपुर नगर जिले के संबंध में एक विश्लेषण से पता चला कि ₹18.23 लाख की भुगतान योग्य परिवहन लागत के प्रति, यू.पी.एफ एवं सी.एस.डी को वास्तव में किया गया भुगतान ₹77.54 लाख था। इसके परिणामस्वरूप यू.पी.एफ. एवं सी.एस.डी को ₹59.31 लाख का अधिक भुगतान हुआ।</p> <p>(iii) शाहजहांपुर (2009-14) तथा सम्बल (2012-14) जिलों में, 31541.54 एम.टी. खाद्यान्न के परिवहन के प्रति, संबंधित जिलों के बी.एस.ए ने खाद्यान्न के परिवहन पर वास्तविक व्यय सुनिश्चित किए बिना 63 प्रति क्विंटल (कोटेदारों को 12 प्रति क्विंटल का लाभ मार्जिन जोड़ने के पश्चात 75 प्रति क्विंटल) की अधिकतम अनुमत दर पर उत्तर प्रदेश राज्य खाद्य एवं आवश्यक माल निगम (यू.पी.एफ. एवं ई.सी.सी) को ₹198.71 लाख का भुगतान किया। लेखापरीक्षा ने देखा कि यू.पी.एफ एवं ई.सी.सी ने परिवहन ठेकेदारों को केवल ₹52.47 लाख का भुगतान किया जिसके परिणामस्वरूप ₹146.24 लाख का अधिक भुगतान हुआ।</p> <p>(iv) बिजनौर, मुरादाबाद तथा बरेली के नमूना जांच किए गए जिलों से पता चला कि निकटतम एफ.सी.आई गोदामों से विद्यालयों की दूरी की आधार पर परिवहन लागत का भुगतान करने के बजाए, जिलों ने यू.पी.एफ. एवं ई.सी.सी. को ₹63 प्रति क्विंटल की अनुमत दर पर परिवहन लागत का भुगतान किया जिसके परिणामस्वरूप ₹2.80 करोड़ का अधिक भुगतान हुआ।</p>						

		<p>(v) नमूना जांच किए गए हरदोई जिले की परिवहन लागत से पता चला कि अप्रैल 2010 से दिसम्बर 2011 के दौरान खाद्यान्नों के परिवहन पर यू.पी.एफ एवं ई.सी.सी को ₹47.19 लाख (अनुपातिक आधार पर) का अधिक भुगतान किया गया।</p> <p>(vi) दिशानिर्देशों के अनुसार, राज्य सरकार को यह सुनिश्चित करने के लिए विश्वसनीय प्रबंध करना अपेक्षित था कि खाद्यान्न ब्लॉक स्तर से प्रत्येक विद्यालय को समयबद्ध ढंग में ढोए जाते हैं। एम.डी.एम दिशानिर्देशों का उल्लंघन करते हुए राज्य सरकार ने मंत्रालय द्वारा ₹75 प्रति क्विंटल की परिवहन लागत में से कोटेदारों को ₹12 प्रति क्विंटल का लाभ मार्जिन देने का भी निर्णय किया (फरवरी 2007)। इसके परिणामस्वरूप 2009-14 के दौरान उठाए गए 1404757 एम.टी. खाद्यान्नों पर ₹16.86 करोड़ का अनियमित व्यय हुआ।</p> <p>(vii) लेखापरीक्षा ने यह भी पाया कि जी.ओ.यू.पी. द्वारा जारी निर्देशो (फरवरी 2007) के अनुसार, लाभ-मार्जिन (यद्यपि अनियमित रूप से अनुमत की गई) का भुगतान कोटेदारों को ब्लॉक गोदामों से खाद्यान्न उठाते समय किया जाना था तथा यू.पी.एफ एवं ई.सी.सी./यू.पी.एफ एवं सी.एस.डी को केवल वास्तविक प्रतिपूर्ति की जानी थी। तथापि नमूना जांच किए गए 12 जिलों के बी.एस.ए. से पता चला कि कोटेदारों को वास्तविक भुगतान सुनिश्चित किए बिना 2010-14 के दौरान खाद्यान्नों की कुल ढोई गई मात्रा (2272985 एम.टी.) के आधार पर यू.पी.एफ. एवं ई.सी.सी./यू.पी.एफ. एवं सी.एस.डी. को ₹272.74 लाख के लाभ मार्जिन का भुगतान किया। लेखापरीक्षा ने पाया कि इन जिलों के यू.पी.एफ. एवं ई.सी.सी./यू.पी.एफ. एवं सी.एस.डी. ने कोटेदारों को केवल ₹60.69 लाख का भुगतान किया जिसके परिणामस्वरूप 212.05 लाख का अधिक भुगतान हुआ।</p> <p>(viii) ₹750 प्रति एम.टी. की अधिकतम अनुमत दर के आधार पर वर्ष 2009-14 के दौरान एफ.सी.आई से उठाए गए 1404753.39 एम.टी. खाद्यान्न के परिवहन पर कुल भुगतान योग्य परिवहन लागत ₹10535.65 लाख बनती है। इन वर्षों के दौरान भुगतान की गई वास्तविक परिवहन लागत ₹11670.38 लाख थी। इसके परिणामस्वरूप अनुमत प्रतिमानों के संबंध में ₹11.35 करोड़ की राशि का अधिक भुगतान हुआ।</p>
10.	पश्चिम बंगाल	चार ब्लॉकों (बहरामपुर, हरिहरपारा, नाबाग्रन तथा मुर्शिदाबाद-जियागंज) तथा तीन नगरपालिकाओं (बहरामपुर, मुर्शिदाबाद एवं जियागंज-अजीमगंज) में ₹2.81 लाख का अधिक भुगतान किया गया था।

अनुबंध-XIV

(पैराग्राफ सं. 3.9 के संदर्भ में)

सूखा प्रभावित क्षेत्रों में एम.डी.एम.एस. के कार्यान्वयन में कमियों के ब्यौरे

क्र.सं.	राज्य का नाम	लेखापरीक्षा अभ्युक्ति
1.	आंध्र प्रदेश	129 से 1068 श्रमदिवसों को बच्चों को एम.डी.एम. प्रदान नहीं किया गया था जिन्हे 2009-10 से 2013-14 के दौरान सूखा प्रभावित के रूप में घोषित किया गया था।
2.	बिहार	राज्य सरकार ने 2009-10, 2010-11 तथा 2013-14 में सूखा प्रभावित के रूप में क्रमशः 26,38 तथा 33 जिलों की घोषणा की थी। 2011-12 के दौरान, मंत्रालय ने गर्मियों की छुट्टियों के दौरान सूखा प्रभावित क्षेत्रों में एम.डी.एम. प्रदान करने हेतु ₹ 37.64 करोड़ जारी किए थे परंतु इसके बावजूद भी उस वर्ष में निदेशालय द्वारा सूखा प्रभावित जिलों में उस विशिष्ट उद्देश्य हेतु कोई अनुदेश तथा निधि जारी नहीं की गई थी तथा किसी भी सूखा प्रभावित क्षेत्र में एम.डी.एम. प्रदान नहीं किया गया था।
3.	छत्तीसगढ़	2009-10 से 2012-13 की अवधि के दौरान राज्य में 127 ब्लॉकों को सूखा प्रभावित के रूप में घोषित किया गया था। इसलिए इन क्षेत्रों के विद्यालयों में बच्चों को गर्मियों की छुट्टियों के दौरान भी एम.डी.एम. प्रदान किया जाना चाहिए था। 2011-12 के दौरान डी.पी.आई. द्वारा यह सूचित किया गया था कि कोरिया जिले में पांच सूखा प्रभावित ब्लॉकों के 960 विद्यालयों में योजना का परिचालन नहीं था। 2009-10, 2011-12 तथा 2012-13 के दौरान डी.पी.आई. द्वारा सूखा प्रभावित क्षेत्रों हेतु निधियां जारी नहीं की गई थीं। इसे इंगित किए जाने पर डी.पी.आई. ने बताया कि बच्चों के उपस्थित न होने के कारण गर्मियों की छुट्टियों के दौरान एम.डी.एम. प्रदान नहीं किया गया था। उत्तर स्वीकार्य नहीं है क्योंकि प्राधिकारियों को गर्मियों की छुट्टियों के दौरान एम.डी.एम. की उपलब्धता के संबंध में छात्र को सूचित करने के प्रयास करने चाहिए थे।
4.	झारखंड	आपदा प्रबंधन विभाग, झारखण्ड सरकार (जी.ओ.जे.) ने 2009-10 के दौरान जूलाई एवं अगस्त 2009 में तथा 2010-11 हेतु अगस्त 2010 में सभी 24 जिलों को सूखा प्रभावित के रूप में अधिसूचित किया था। लेखापरीक्षा ने पाया कि 2009-11 की अवधि के दौरान जी.ओ.जे. द्वारा सूखे की अधिसूचना के बावजूद नमूना जांच किए गए जिलों के किसी भी विद्यालय में गर्मियों की छुट्टियों के दौरान कोई एम.डी.एम. प्रदान नहीं किया गया था। इस प्रकार, जे.एस.एम.डी.एम.एम.ए. चार नमूना जांच किए गए जिलों में 2010-11 तथा 2011-12 की गर्मियों की छुट्टियों के दौरान क्रमशः 4.72 लाख तथा 4.25 लाख बच्चों को एम.डी.एम. के लाभ प्रदान करने में विफल था।
5.	केरल	वर्ष 2012-13 को पूरे राज्य को सूखा प्रभावित के रूप में घोषित किया गया था परंतु उस वर्ष की गर्मियों की छुट्टियों के दौरान विद्यालय के बच्चों को एम.डी.एम. प्रदान नहीं किया गया था। डी.पी.आई. ने बताया कि राज्य सरकार से सूखा प्रभावित क्षेत्रों के संबंध में सूचना प्राप्त नहीं हुई थी। इसलिए, राज्य

		सरकार तथा नोडल विभाग के बीच समन्वय की कमी के कारण लाभार्थी बच्चों को प्रत्याशित लाभ नहीं मिला जिसको नकारा नहीं जा सकता।
6.	मध्य प्रदेश	10 जिलों में, जिन्हे सूखा प्रभावित घोषित किया गया था, 2009-10 से 2013-14 के दौरान एम.डी.एम. 305 दिवसों, राजपत्रित अवकाशों तथा रविवार को प्रदान नहीं किया गया था।
7.	मणिपुर	2009 में, सभी 9 जिले सूखे से प्रभावित थे। मणिपुर राज्य सरकार ने 25 जून 2009 को सभी नौ जिलों के संबंध में सूखे की घोषणा की थी। विभाग ने सूखा प्रभावित जिलों में गर्मियों की छुट्टियों के दौरान विद्यालयों में एम.डी.एम. प्रदान करने हेतु कोई योजना प्रारंभ नहीं की थी जिसने प्राथमिक तथा उच्च प्राथमिक स्तरों के बच्चों को योजना के लाभों से वंचित रखा।
8.	राजस्थान	2009-10 से 2013-14 के दौरान 1 से 28 के बीच के जिलों को सूखा प्रभावित घोषित किया गया था परंतु 2009-10 से 2013-14 के दौरान कम उपस्थिति के कारण सूखा प्रभावित क्षेत्रों में दोपहर के भोजन के संवितरण को बंद करने के आदेश जारी किए गए थे।
9.	तमिलनाडु	राज्य सरकार ने फरवरी 2013 अर्थात् 2012-13 में 31 जिलों की सूखा प्रभावित क्षेत्रों के रूप में घोषणा की थी। राज्य सरकार ने इन जिलों में एम.डी.एम. प्रदान करने हेतु निधि जारी नहीं की थी जिसका परिणाम हुआ कि सूखा प्रभावित क्षेत्रों के विद्यालयों में संबंधित गर्मी की छुट्टी अर्थात् मई 2013 में कोई दोपहर का भोजन प्रदान नहीं किया गया था। इसके अतिरिक्त, राज्य सरकार ने केवल 2014-15 के दौरान ही सूखा प्रभावित जिलों हेतु सहायता के रूप में ₹ 9636.91 लाख के प्रस्ताव के साथ अपना ए.डब्ल्यू.पी. एवं बी. प्रस्तुत किया था जिसके लिए मंत्रालय ने कुल ₹11178.50 लाख जारी किए। इस प्रकार, बाद की तिथि में निधियों की प्राप्ति ने सूखा प्रभावित क्षेत्रों के विद्यालयों में संबंधित सूखा प्रभावित गर्मियों की छुट्टियों के दौरान बच्चों को भोजन प्रदान करने के उद्देश्य को पूरा नहीं किया था तथा ₹ 11178.50 तक की निधियों को उस उद्देश्य, जिसके लिए इसे मंत्रालय द्वारा संस्वीकृत किया गया था, हेतु उपयोग में नहीं लाया जा सका था तथा उपयुक्त नहीं।
10.	उत्तराखंड	13 जिलों में से, राज्य के 66 तहसीलों वाले 11 जिलों को 2008-09 के दौरान सूखा प्रभावित के रूप में घोषित किया गया था। 2009-10 में गर्मी की छुट्टी के दौरान सूखा प्रभावित क्षेत्रों में विद्यालय के बच्चों को एम.डी.एम. प्रदान करने हेतु मंत्रालय द्वारा कुल ₹ 511.01 लाख की निधियां (जून 2009) जारी की गई थी। चूंकि विद्यालय गर्मी की छुट्टी के दौरान बंद रहे इसलिए राज्य सरकार द्वारा बच्चों के मां-बाप को बिना पका भोजन तथा भोजन पकाने की लागत प्रदान करने का निर्णय लिया गया था तथा संबंधित जिलों को अतिरिक्त निधियों के जारी के जाने तक उपलब्ध अनाज तथा निधियों में से इसे प्रदान किए जाने के अनुदेश जारी किए गए थे। नमूना जिलों में, सभी तहसीलों (तेहरी जिले की आठ तहसीलें तथा अलमोड़ा जिले की 13 तहसीले) को सूखा प्रभावित के रूप में घोषित किया गया था। चयनित जिलों के डी.ई.ओ. (मूल) के अभिलेखों की नमूना जांच के दौरान,

	<p>यह पाया गया था कि राज्य सरकार द्वारा कथित उद्देश्य हेतु विद्यालयों को न तो अनाज और न ही भोजन पकाने के संबंध में निधियां जारी की गई थी। चयनित विद्यालयों की नमूना जांच ने प्रकट किया कि अलमोड़ा में 70 प्रतिशत विद्यालयों तथा तेहरी में 97 प्रतिशत विद्यालयों में वर्ष 2009-10 में गर्मी की छूटी के दौरान बिना पका भोजन तथा भोजन पकाने की लागत प्रदान नहीं की गई थी। विद्यालयों हेतु अतिरिक्त अनाज तथा निधियां प्रदान न किए जाने के कारणों के संबंध में इंगित किए जाने पर एस.पी.ओ. अतिरिक्त अनाज प्रादन न किए जाने के मामले के संबंध में मौन था। तथापि, यह बताया गया था कि जिलों को नियमित निर्गमों के साथ अतिरिक्त निधियां जारी की गई थीं परंतु यह उल्लेख नहीं किया गया था कि कितनी निधियां सूखा प्रभावित बच्चों को भोजन के संवितरण से संबंधित थीं।</p> <p>इस प्रकार, वर्ष 2009-10 की गर्मी छूटी के दौरान सूखा प्रभावित बच्चों को एम.डी.एम. प्रदान किए जाने को कथित उद्देश्य हेतु मंत्रालय द्वारा ₹ 511.01 लाख के निर्गम के बावजूद भी सुनिश्चित नहीं किया गया था।</p>
--	--

अनुबंध-XV

(पैराग्राफ सं. 4.1 के संदर्भ में)

विभिन्न स्तरों पर निधियों के निर्गम में विलंब का विवरण

क्र.सं.	राज्य का नाम	राज्य वित्त विभाग से राज्य नोडल विभाग को निर्गम में विलंब	राज्य नोडल विभाग से जिले को निर्गम में विलंब	जिले में ब्लॉकों/विद्यालयों को निर्गम में विलंब
1.	आंध्र प्रदेश	13 दिन से 75 दिन	2 दिन से 10 दिन	
2.	अरुणाचल प्रदेश	1 माह 20 दिन से 2 वर्ष 8 माह 20 दिन	20 दिन	7 माह 20 दिन से 8 माह 20 दिन
3.	असम	7 दिन से 5 माह 20 दिन	20 दिन से 2 माह 27 दिन	
4.	बिहार	4 दिन से 4 माह 14 दिन	3 दिन से 7 माह 7 दिन	कोई विलंब नहीं
5.	छत्तीसगढ़	1 माह से 5 माह 17 दिन	2 दिन से 1 माह 7 दिन	
6.	गोवा	कोई विलंब नहीं	कोई विलंब नहीं	कोई विलंब नहीं
7.	गुजरात	1 वर्ष 2 माह 20 दिन	1 दिन से 1 माह 11 दिन	3 दिन से 9 दिन
8.	हरियाणा	3 दिन से 3 माह 21 दिन	2 दिन से 1 माह 10 दिन	3 दिन से 4 माह 10 दिन
9.	हिमाचल प्रदेश	7 दिन से 8 माह 14 दिन	कोई विलंब नहीं	1 माह 20 दिन से 8 माह 11 दिन
10.	कर्नाटक	20 दिन से 1 वर्ष 8 माह 9 दिन	8 दिन से 4 माह 18 दिन	4 दिन से 2 माह 24 दिन
11.	केरल	11 दिन से 1 माह 24 दिन	3 माह 10 दिन से 3 माह 20 दिन	कोई विलंब नहीं
12.	मध्य प्रदेश	9 दिन से 2 माह 10 दिन	1 दिन से 1 माह 11 दिन	उ.न.
13.	महाराष्ट्र	2 से 5 माह	उ.न.	2 से 3 माह
14.	मणिपुर	3 माह 28 दिन से 2 वर्ष 4 माह 30 दिन	0 से 4 माह 5 दिन	उ.न.
15.	ओडिशा	4 दिन से 1 माह 7 दिन	3 दिन से 1 माह 2 दिन	कोई विलंब नहीं
16.	राजस्थान	3 दिन से 8 माह 11 दिन	4 से 263 दिन	कोई विलंब नहीं
17.	तमिलनाडु	कोई विलंब नहीं	कोई विलंब नहीं	1 से 2 माह

मध्याह्न भोजन योजना की निष्पादन लेखापरीक्षा

18.	त्रिपुरा	9 दिन से 11 माह	5 दिन से 8 माह 28 दिन	19 दिन से 13 माह 10 दिन
19.	उत्तराखंड	06 दिन से 5 माह 06 दिन	16 दिन से 10 माह 21 दिन	12 दिन से 7 माह 26 दिन
20.	पश्चिम बंगाल	4 दिन से 2 माह 18 दिन	5 दिन से 1 माह 11 दिन	कोई विलंब नहीं
21.	अं.एवं नि. द्वीप समूह	1 दिन से 1 माह 11 दिन	कोई विलंब नहीं	कोई विलंब नहीं
22.	चंडीगढ़	2 दिन से 6 माह 5 दिन	1 दिन से 1 माह 19 दिन	कोई विलंब नहीं
23.	दा.एवं.ना. हवेली	उ.न.	लागू नहीं	लागू नहीं
24.	दमन एवं दीव	16 दिन से 4 माह 16 दिन	कोई विलंब नहीं	कोई विलंब नहीं
25.	दिल्ली	1 माह 10 दिन से 5 माह 26 दिन	जिलों को निजी निर्गत नहीं की गई	
26.	लक्षद्वीप	6 दिन से 6 माह 20 दिन		5 दिन से 1 माह 8 दिन

अनुबंध-XVI
पैराग्राफ सं.4.10 के संदर्भ में)
बोरो का गैर-निपटान

क्र.सं.	राज्य	लेखापरीक्षा अभ्युक्ति
1.	आंध्र प्रदेश	चार नमूना जांच किए गए जिलों में एफ.सी.आई. ने 107172.818 एम.टी. अनाज को 50 कि.ग्रा. वजन वाले चावल के थैले में आपूर्ति की तथा 2009-14 के दौरान चावल की आपूर्ति हेतु उपयोग किए गए थैलों की संख्या को 2143457 तक परिकल्पित किया। लेखापरीक्षा ने पाया कि खाली (बोरो) चावल के थैलो की मुफ्त में उचित दर दुकान को आपूर्ति की गई थी। अगर खाली (बोरो) थैलों को ₹10 प्रत्येक की दर पर बेचा जाता तो ₹ 2,14,34,570 की वसूली की जा सकती थी। परंतु यह नहीं किया गया था तथा राज्य सरकार को ₹ 2.15 करोड़ (लगभग) की हानि हुई थी।
2.	बिहार	बिहार के छः नमूना जांच किए गए विद्यालयों ने 205355.69 एम.टी. अनाज का उपयोग किया तथा इस प्रकार 4107113 थैलों का संचयन किया। तथापि, अपेक्षित ₹ 410.71 लाख (₹ 10 प्रति थैला की दर पर) के प्रति मुजफ्फरनगर में खाली थैलों को बेच कर केवल ₹ 18 लाख की वसूली की गई थी। इस प्रकार, खाली थैलों के कुल ₹ 392.71 लाख के मूल्य को वसूला नहीं गया था।
3.	छत्तीसगढ़	नि.ले.प. अवधि (2009-14) के दौरान नागरिक आपूर्ति निगम (उ.न..एन) ने विद्यालयों को अनाज की 434259.22 एम.टी. की प्रमात्रा की आपूर्ति की है तथा इससे विद्यालयों ने 86,85,184 (4,34,259.22 एम.टी. X 20 थैले) खाली बोरो का संचयन किया है। तथापि, डी.पी.आई. लेखापरीक्षा की अवधि के दौरान खाली बोरो की बिक्री हेतु कोई अनुदेश नहीं दिया था। इसका परिणाम राज्य राजकोष को ₹ 8.68 करोड़ (न्यूनतम ₹ 10 प्रति थैले का माना गया मूल्य) के राजस्व की हानि में हुआ। तथापि, डी.पी.आई. ने खाली बोरो की बिक्री हेतु दिशानिर्देश जारी किए हैं (जून 2014)। इसके बावजूद डी.ई.ओ./बी.ई.ओ. डी.पी.आई. द्वारा जारी अनुदेश का पालन नहीं कर रहे हैं तथा वर्तमान में बोरो को एस.एच.जी. द्वारा रखा जा रहा है।
4.	झारखंड	एफ.सी.आई. द्वारा अनाज की आपूर्ति 50 कि.ग्रा. की क्षमता के जूट के थैलो में की गई थी। खाली जूट के थैले सरकारी परिसम्पत्ति होने से जे.एस.एम.डी.एम.ए ने जुलाई 2009 तथा दिसंबर 2013 में सभी डी.एस.ई. को क्रमशः ₹ 11.40 तथा ₹ 14.40 प्रति थैले की दर पर एफ.सी.आई. को खाली जूट के थैलो की बिक्री तथा विद्यालयों में उपलब्ध खाली जूट के थैलो के तिमाही लेखे का अनुरक्षण करने का आदेश जारी किए थे। खाली थैलों की बिक्री प्राप्तियों को संबंधित सरस्वती वाहिनी के खातों में जमा कराया जाना था जिसे थालियों तथा गिलासों की खरीद हेतु प्रयोग किया जाना था।

		हमने पाया कि अनाज का उपयोग करने के पश्चात खाली जूट के थैलों पर किसी भी नमूना जांच किए गए जिलों में 2009-14 के दौरान किसी लेखो/सूचना का अनुरक्षण नहीं किया गया था। इस प्रकार, जूट के थैलों का निपटान करने हेतु कोई अनुवर्ती कार्रवाई नहीं की गई थी।
5.	मणिपुर	निदेशालय में अनुरक्षित अभिलेखों की संवीक्षा पर यह पाया गया था कि विभाग ने 2009-14 दौरान आपूर्ति किए गए अनाज हेतु किए गए बोरो (₹ 15 प्रति थैले की दर पर) का जिले के क्षेत्रीय कार्यालय द्वारा उपयोग को मानीटर नहीं किया था परिणामस्वरूप दो नमूना जांच किए गए जिलों के ₹ 13.64 लाख सहित ₹ 68.34 लाख के मूल्य पर 22780.861 एम.टी. अनाज वाले 4.56 लाख एस.एच.एस बोरे बिना हिसाब के रहे।
6.	ओडिशा	राज्य नोडल विभाग (डब्ल्यू एवं सी.डी.) ने एस.एम.सी./प्रधानाध्यपक को ₹ 5 प्रति थैले की दर पर खाली बोरो का निपटान करने तथा बिक्री प्राप्तियों का योजना के अंतर्गत साबुन/तोलिया/फिनाईल अथा अन्य आकस्मिक मद के उद्देश्य हेतु उपयोग करने का निर्देश (अक्टूबर 2005 एवं सितंबर 2007) दिया। लेखापरीक्षा ने पाया कि 2011-14 के दौरान राज्य में कार्यक्रम के अंतर्गत 3.94 एम.टी. चावल का उपयोग किया गया था तथा इस प्रकार 78.80 लाख खाली बोरो की वसूलनीय बिक्री प्राप्तियों को लेखापरीक्षा में ₹ 3.94 करोड़ होना परिकलित किया गया था। तथापि, राज्य में वसूली तथा उपयोग की गई बोरो की वास्तविक बिक्री प्राप्तियां एस.एन.ओ के साथ-साथ नमूना जिलों के डी.एन.ओ. के पास उपलब्ध नहीं थीं। 148 नमूना जांच किए गए विद्यालयों के अभिलेखों की नमूना जांच ने प्रकट किया कि 147 विद्यालयों (सिवाए वालंगिर जिले में रेगांली पचायत उच्च प्राथमिक विद्यालय के) में खाली बोरो का निपटान नहीं किया गया था। इस प्रकार, न केवल बोरो की बिक्री प्राप्तियों को वसूल नहीं किया गया था बल्कि इसका प्रत्याशित उद्देश्य हेतु उपयोग भी नहीं किया गया था जबकि इन विद्यालयों के सभी एच.एम. ने बताया कि आकस्मिकता हेतु प्रदत्त निधि पर्याप्त नहीं थी।
7.	उत्तर प्रदेश	लेखापरीक्षा ने पाया कि: <ul style="list-style-type: none"> • दिसंबर 2004 में जारी दिशानिर्देशों के उल्लंघन में राज्य सरकार ने कोटेदारों द्वारा एम.डी.एम. के बोरो के प्रतिधारण को अनुमत (फरवरी 2007) किया परंतु मार्च 2010 में अपने आदेशों को रद्द कर दिया। इसका परिणाम 2007-10 के दौरान उठाए गए 797020.43 एम.टी.अनाज पर कोटेदारों को ₹ 24.06 करोड़¹ का अनुचित लाभ में हुआ • राज्य सरकार ने अपने आदेशों (फरवरी 2007) को इस टिप्पणी के साथ कि एम.डी.एम.ए./शिक्षा विभाग अपनी स्वयं नियमों के अनुसार

¹ 2009-10 के दौरान राबी तथा खारीफ विपणन मौसम में, एक बार उपयोग किए गए बोरे हेतु, लागू 60 प्रतिशत की दर पर परिकलित

		<p>खाली थैलों का निपटान करेगा, रद्द किया (मार्च 2010)। एम.डी.एम.ए. ने 2004 के एम.डी.एम. दिशानिर्देशों के दृष्टिकोण में विद्यालयों को नए निर्देश जारी करने के बजाए बार-बार मामले को मंत्रालय को प्रेषित (अप्रैल 2010/अक्टूबर 2011/नवम्बर 2014) किया। तथापि इस संबंध में मंत्रालय से कोई निदेश प्राप्त (दिसंबर 2014) नहीं हुआ था। परिणामस्वरूप ₹ 44.41 करोड़² के मूल्य के 22292629 खाली बोरे बिना हिसाब के रहे जो उसी सीमा तक एम.डी.एम. के गैर-संवर्धन का कारण बना।</p>
--	--	--

² 2009-10 के दौरान राबी तथा खारीफ विपणन मौसम में, एक बार उपयोग किए गए बाँरे हेतु, लागू 60 प्रतिशत की दर पर परिकल्पित मध्याह्न भोजन योजना की निष्पादन लेखापरीक्षा

अनुबंध-XVII

(पैराग्राफ सं. 5.3 के संदर्भ में)

2009-10 से 2013-14 के दौरान विषय निर्वाचन सह मॉनीटरिंग समिति बैठकों का विवरण

क्र.सं.	राज्य/सं.शा.क्षे.	आयोजित होने वाली एस.एम.सी. बैठकों की सं.	आयोजित बठकों की सं.	कमी प्रतिशत में	आयोजित होने वाली एस.एम.सी. बैठकों की सं.	आयोजित बठकों की सं.	कमी प्रतिशत में	आयोजित होने वाली एस.एम.सी. बैठकों की सं.	आयोजित बठकों की सं.	कमी प्रतिशत में
		राज्य स्तर	राज्य स्तर		जिला	जिला		ब्लॉक स्तर	ब्लॉक स्तर	
1.	आंध्र प्रदेश	16	3	81	240	14	94	960	70	93
2.	अरुणाचल प्रदेश	10	5	50	180	8	96	720	37	95
3.	असम	20	7	65	20	8	60	20	9	55
4.	बिहार	10	5	50	120	9	93	2260	23	99
5.	छत्तीसगढ़	10	5	50	उ.न.	26		0	0	
6.	गोवा	10	3	70	20	2	90	20	3	85
7.	गुजरात	10	6	40	282	26	91	658	110	83
8.	हरियाणा	10	3	70	180	1	99	720	5	99
9.	हिमाचल प्रदेश	10	6	40	120	22	82	उ.न.	उ.न.	-
10.	झारखंड	10	3	70	80	6	93	उ.न.	उ.न.	-
11.	कर्नाटक	16	6	63	600	498	17	3500	2805	20
12.	केरल	10	7	30	6	उ.न.	-	6	उ.न.	-
13.	मध्य प्रदेश	10	4	60	600	345	43	3720	1944	48
14.	मणिपुर	10	8	20	60	0	100	60	0	100
15.	नागालैंड	20	10	50	उ.न.	उ.न.	-	उ.न.	उ.न.	-
16.	ओडिशा	10	5	50	उ.न.	उ.न.	-	उ.न.	उ.न.	-
17.	तमिलनाडु	10	5	50	260	8	97	1040	20	98
18.	त्रिपुरा	2	2	शून्य	4	1	66	6	4	33
19.	उत्तर प्रदेश	10	11	शून्य	4392	2420	45	49260	13850	72
20.	उत्तराखंड	10	6	40	260	68	74	1900	32	98
21.	पश्चिम बंगाल	10	5	50	180	35	81	660	31	95
22.	अं.एवं नि. द्वीप समूह	10	7	30	50	13	74	50	0	100
23.	चंडीगढ़	11	8	27	48	17	65	उ.न.	उ.न.	
24.	दा.एवं.ना. हवेली	10	5	50	50	5	90	50	0	100
25.	दमन एवं दीव	10	8	20	50	7	86	50	0	100
26.	दिल्ली	10	4	60	उ.न.	उ.न.	-	उ.न.	उ.न.	-

मध्याह्न भोजन योजना की निष्पादन लेखापरीक्षा

2015 की प्रतिवेदन सं. 36

27.	लक्षद्वीप	10	3	70	60	1	98	60	1	98
28.	पुदुचेरी	10	1	90	उ.न.	उ.न.	-	उ.न.	-	-

अनुबंध-XVIII

(पैराग्राफ सं. 5.4.2 के संदर्भ में)

2011-12 से 2013-14 की अवधि के लिए प्रबंधन, मॉनिटरिंग तथा मूल्यांकन (एम.एम.ई.) हेतु उपयोग की गई
निधियों का राज्य वार विवरण

क्र.सं.	राज्य/सं.शा.क्षे	आबंटित (₹ लाख में)				उपयोग की गई (₹ लाख में)			
		2011-12	2012-13	2013-14	कुल	2011-12	2012-13	2013-14	कुल
1.	आंध्र प्रदेश	793.65	734.69	876.19	2404.53	546.6	627.06	522.44	1696.1
2.	अरुणाचल प्रदेश	35.02	58.33	36.2	129.55	34.71	58.25	36.19	129.15
3.	असम	944.42	955.73	951.12	2851.27	888.72	742.13	851.66	2482.51
4.	छत्तीसगढ़	719.36	753.76	715.23	2188.35	395.6	569.63	558.55	1523.78
5.	गोवा	25.33	25.82	60	111.15	0	0	1.89	1.89
6.	गुजरात	667.33	723.91	775.94	2167.18	667.33	723.91	775.94	2167.18
7.	हरियाणा	317.67	366.99	376.7	1061.36	317.67	366.77	225.03	909.47
8.	हिमाचल प्रदेश	143.37	107.74	135.38	386.49	121.01	135.72	122.73	379.46
9.	जम्मू एवं कश्मीर	99.09	117.08	186.63	402.8	98.36	117.84	175.11	391.31
10.	झारखंड	602.58	569.71	638.67	1810.96	396.46	338.15	335.42	1070.03
11.	कर्नाटक	819.21	771.46	1016.93	2607.6	671.8	973.36	1030.26	2675.42
12.	मध्य प्रदेश	732.58	1398.16	1462.51	3593.25	692.47	803.34	1110.22	2606.03
13.	महाराष्ट्र	1831.79	1898.62	1919.63	5650.04	1781.24	1826.96	1906.4	5514.6
14.	मणिपुर	42.33	42.52	27.59	112.44	14.13	16.45	37.9	68.48
15.	नागालैंड	43.57	49.99	51.72	145.28	43.57	49.99	51.72	145.28
16.	ओडिशा	692.17	854.19	893.74	2440.1	597.01	854.19	893.79	2344.99
17.	पंजाब	331.89	351.65	361.53	1045.07	267.39	357.03	361.51	985.93
18.	सिक्किम	18.11	18.64	19.08	55.83	18.11	11.04	19.08	48.23
19.	तमिलनाडु	767.91	759.79	828.74	2356.44	716.31	767.91	860.4	2344.62
20.	उत्तर प्रदेश	2114.18	2342.18	2430.77	6887.13	2114.18	2319.52	2851.58	7285.28
21.	उत्तराखंड	162.76	184.42	167.97	515.15	168.61	168.61	185.34	522.56
22.	पश्चिम बंगाल	1200.01	1537.62	939.47	3677.1	1090.66	1483.95	1926.33	4500.94
23.	अं.एवं नि. द्वीप समूह	5.38	5.82	5.6	16.8	5.19	4.24	0.44	9.87
24.	चंडीगढ़	9.2	8.87	30	48.07	9.2	8.87	26.58	44.65
25.	दा.एवं.ना. हवेली	2.91	0	4.33	7.24	0	0	3.72	3.72
26.	दमन एवं दीव	2.46	2.14	60	64.6	2.46	2.14	12.01	16.61
27.	दिल्ली	278.98	357.59	188.62	825.19	47.82	214.07	122.28	384.17

मध्याह्न भोजन योजना की निष्पादन लेखापरीक्षा

2015 की प्रतिवेदन सं. 36

28.	लक्षद्वीप	1.35	1.34	30	32.69	0	1.07	0.99	2.06
29.	पुदुचेरी	13.1	13.09	120	146.19	0	0	6.6	6.6
	कुल	13417.71	15011.85	15310.29	43739.85	11706.61	13542.2	15012.11	40260.92

अनुबंध-XIX
(पैराग्राफ सं 5.5 के संदर्भ में)
संचालित की गयी निरीक्षणों का विवरण

क्र.सं.	राज्य का नाम	मानदंड के अनुसार संचालित की जानेवाली निरीक्षण	निरीक्षित विद्यालय/केन्द्र की कुल संख्या	निरीक्षित विद्यालय/केन्द्रों की प्रतिशतता
1.	आंध्र प्रदेश	394914	235954	59.75
2.	अरुणाचल प्रदेश	20792	16563	79.66
3.	असम	45359	23809	52.49
4.	छत्तीसगढ़	235089	235089	100.00
5.	गोवा	7764	20036	258.06
6.	गुजरात	486000	205113	42.20
7.	हरियाणा	155876	15697	10.07
8.	हिमाचल प्रदेश	73914	54773	74.10
9.	झारखंड	120	0	0
10.	कर्नाटक	279349	322005	115.27
11.	केरल	61924	32725	52.85
12.	मध्य प्रदेश	117091	72122	61.59
13.	महाराष्ट्र	347875	264601	76.06
14.	मणिपुर	15297	6197	40.51
15.	मेघालय	51446	18687	36.32
16.	नागालैंड	60	13	21.67
17.	ओडिशा	132550	123899	93.47
18.	पंजाब	4028	1476	36.64
19.	तमिलनाडु	217999	291775	133.84
20.	उत्तर प्रदेश	243382	229064	94.11
21.	अं.एवं नि. द्वीप समूह	1702	1657	97.36
22.	चंडीगढ़	622	352	56.59
23.	दा.एवं.ना. हवेली	1389	1389	100.00
24.	दमन एवं दीव	485	485	100.00

अनुबंध-XX

(पैराग्राफ सं. 5.6 के संदर्भ में)

वर्ष 2010-11 तथा 2013-14 के लिए मानीटरिंग संस्थानों की रिपोर्ट में इंगित कमियां

क्र.सं.	राज्य का नाम	शामिल किए गए जिलों का नाम	शामिल किए गए विद्यालयों की संख्या	वर्ष	इंगित कमियां
1.	आंध्र प्रदेश	गुंटुर, करीमनगर, कृष्णा, कुर्नूल, नागलौडां रंगारेड्डी	240	2010-11	<ul style="list-style-type: none"> • 21 प्रतिशत विद्यालयों में अनाज की आपूर्ति नियमित नहीं थी। • 82 प्रतिशत विद्यालय भोजन पकाने की लागत को अग्रिम में प्राप्त नहीं कर रहे थे। • 54.58 प्रतिशत विद्यालयों में पक्का रसोईघर शैड नहीं था। कुछ विद्यालय अनुपयुक्त निर्माण के कारण निर्मित रसोईघर का उपयोग नहीं कर रहे थे। 24 प्रतिशत विद्यालयों में भोजन पकाने हेतु पर्याप्त बर्तन नहीं है।
		चित्तूर, खम्मम, कृष्णा, मेदक, नैलोर, श्रीककुलम	240	2013-14	<ul style="list-style-type: none"> • 22 प्रतिशत विद्यालयों में अनाज की आपूर्ति नियमित नहीं थी। • अधिकांश विद्यालयों में भोजन पकाने की लागत समय पर प्राप्त नहीं की गई थी। विद्यालयों में भोजन पकाने की लागत पहुंचने में एक से दो महीनों का विलम्ब था। • कृष्णा, मेदक, चित्तूर तथा खम्मम के लगभग सभी नमूना विद्यालयों में एम.डी.एम. के अंतर्गत आपूर्ति किए गए चावल की गुणवत्ता अच्छी नहीं थी। • 75 प्रतिशत विद्यालयों में पक्का रसोईघर शैड नहीं हैं।
2.	छत्तीसगढ़	बिलासपूर	40	2010-11	<ul style="list-style-type: none"> • सभी विद्यालयों ने अग्रिम में भोजन पकाने की लागत प्राप्त नहीं की थी तथा दो से तीन महीनों का विलम्ब था।
		बालोड़, बिलासपूर, धमतारी, जंजगीर	280	2013-14	<ul style="list-style-type: none"> • 60 प्रतिशत विद्यालयों ने अग्रिम में भोजन पकाने की लागत प्राप्त नहीं

मध्याह्न भोजन योजना की निष्पादन लेखापरीक्षा

		चम्पा, महासमुंद रायपूर, राजनंदगांव			की थी तथा दो से तीन महीनों का विलम्ब था।
3.	दिल्ली	नई दिल्ली, मध्य दिल्ली उत्तर दिल्ली	126	2010-11	<ul style="list-style-type: none"> • आपूर्तिकर्ताओं द्वारा एम.डी.एम. प्रदान नहीं किया गया था। उत्तर दिल्ली के आपूर्तिकर्ता अग्रिम में अनाज प्राप्त नहीं कर रहे थे। वह भोजन प्रदान किए जाने के प्रत्येक 30 से 35 दिनों के पश्चात अनाज प्राप्त कर रहे थे। • सभी विद्यालय अग्रिम में भोजन पकाने की लागत प्राप्त नहीं कर रहे थे। भोजन पकाने की लागत प्राप्त करने में 40 से 50 दिनों का विलम्ब था।
		नई दिल्ली मध्य दिल्ली पश्चिम दिल्ली	123	2013-14	<ul style="list-style-type: none"> • एम.डी.एम. आपूर्तिकर्ता भोजन की आपूर्ति के 40-70 दिनों के पश्चात भोजन पकाने की लागत प्राप्त कर रहे थे।
4.	गुजरात	कच्छ पोरबंदर सुरेन्द्रनगर	102	2010-11	<ul style="list-style-type: none"> • बच्चों का कुल नामांकन 27277 था। दौरे के दिन केवल 35.68 प्रतिशत बच्चों ने एम.डी.एम. का लाभ उठाया था। • 100 विद्यालयों में से, 21 विद्यालयों में रसोईघर शैड का उपयोग नहीं किया गया था तथा 8 विद्यालयों में रसोईघर शैड का निर्माण किया गया था।
		अहमदाबाद अमरेली आनन्द खेड़ी	135	2013 - 14	<ul style="list-style-type: none"> • अधिकांश विद्यालयों में अनाज की किसी भी लिफ्टिंग एजेंसी द्वारा सूपूर्दगी नहीं की गई थी। जब भण्डार निजी वाहनों/रिक्शा/टैम्पो में पहुंचता है तो एम.डी.एम. प्राधिकारियों द्वारा विशिष्ट दुकान से विद्यालयों को अनाज पहुंचाया गया था। • कुछ विद्यालयों में अनुपयुक्त भण्डारण व्यवस्था के कारण अनाज बिखर रहा था। • बच्चों का कुल नामांकन 38142 था। दौरे के दिन केवल 39.85 प्रतिशत

					बच्चों ने एम.डी.एम. का लाभ उठाया था।
5.	झारखंड	बोकारो धनबाद गिरीडीह, कोडरमा चतरा हजारीबाग	214	2010-11	<ul style="list-style-type: none"> • विद्यालय कुछ मामलों के सिवाए जिनमें विलम्ब सूचित किया गया था, नियमित रूप से अनाज प्राप्त कर रहे थे। विलम्ब की सीमा 15 तथा 60 दिनों के बीच है। • 51 प्रतिशत विद्यालयों में रसोईघर सह भण्डार उपलब्ध नहीं था।
		खुन्थी गुमला रांची लोहरदगा	160	2013-14	<ul style="list-style-type: none"> • 21 प्रतिशत विद्यालय समय पर भोजन पकाने की लागत प्राप्त नहीं कर रहे थे। दो से तीन महीनों का विलम्ब था। प्रधान शिक्षकों को अपने स्वयं की जेब से भोजन पकाने की लागत को पूरा करने का प्रबंध करना था। • 7.5 प्रतिशत विद्यालयों में रसोईघर सह भण्डार नहीं हैं।
6.	कर्नाटक	बैंगलोर, चिकमा-गलूर चित्रदुर्ग कोडागो तुमकूर	200	2010-11	<ul style="list-style-type: none"> • 18 प्रतिशत विद्यालय नियमित रूप से भोजन पकाने की लागत प्राप्त नहीं कर रहे थे। एक माह तक का विलम्ब था। • अधिकांश विद्यालयों का व्यय सूची में चावल दाल तथा सब्जी को दर्शाने के बावजूद सब्जियों के मूल्य में वृद्धि तथा मूल्य परिवर्धन के कारण दाल तथा सब्जियों का उपयोग सीमित प्रमात्रा में था। यह बच्चों को प्रदान किए जा रहे भोजन के पौषणिक महत्व को नकारात्मक रूप से प्रभावित करेगा।
		बैंगलोर शहरी, चमराजनगर, रामानगर, बैंगलोर ग्रामीण	160	2013-14	<ul style="list-style-type: none"> • रामानगर तथा बैंगलोर ग्रामीण में सभी विद्यालयों में आपूर्ति किया गया अनाज कोटि क एफ.ए.क्यू. का नहीं था। • चमराजनगर तथा रामानगर में 30 प्रतिशत विद्यालय समय पर भोजन पकाने की लागत प्राप्त नहीं कर रहे थे। 1 से 6 महीनों का विलम्ब था।

					<ul style="list-style-type: none"> चमराजनगर, रामानगर तथा बेंगलोर ग्रामीण में 69 प्रतिशत विद्यालय भोजन की सूची को प्रदर्शित नहीं कर रहे थे।
7.	मध्य प्रदेश	शाहजापूर, भोपाल, सेहोर, राजगढ़, विदिशा, दामोह, रेवा, शाहडोल, गुना, , अशोक नगर हार्दा, अनूपनगर, उमरिया	560	2010-11	<ul style="list-style-type: none"> 25 प्रतिशत विद्यालय पहले ही भोजन पकाने की लागत प्राप्त नहीं कर रहे थे। भोजन पकाने की लागत प्राप्त करने में 1 से 3 महीनों के बीच का विलम्ब था। विलम्ब के मामले में विद्यालय काफी अधिक ब्याज दर पर साहूकारों से कर्ज ले रहे थे, क्रेडिट आधार पर अनाज खरीदा था जबकि कुछ विद्यालयों में कार्यन्वयन अभिकरणों ने एम.डी.एम. प्रदान करना बंद कर दिया था। कई विद्यालयों में गर्म पका हुआ भोजन तैयार करने तथा प्रदान करने हेतु अवसंरचना अपर्याप्त थी।
		अशोक नगर, सेहोर, हार्दा, राजगढ़, गुना, शेहोपुर		2013-14	<ul style="list-style-type: none"> राजगढ़ तथा अशोक नगर जिले में दौरा किए गए 50 तथा 52.5 प्रतिशत के बीच विद्यालयों में अनाज का सुरक्षित भण्डार उपलब्ध नहीं था। गुना तथा राजगढ़ जिलों में 82.5 प्रतिशत विद्यालयों में अनाज की गुणवत्ता संतोषजनक नहीं थी। प्रति बच्चा भोजन पकाने की लागत काफी कम थी। गुना जिले में, 35 प्रतिशत दौरा किए गए विद्यालयों ने रसोईघर शैडो का उपयोग नहीं किया था।
8.	महाराष्ट्र	लातूर परभानी ओसमानाबाद बीद औरंगाबाद	200	2010-11	<ul style="list-style-type: none"> 64.5 प्रतिशत विद्यालयों में अनाज की आपूर्ति नियमित नहीं थी तथा बाधा पाई गई थी। शत प्रतिशत विद्यालयों में भोजन पकाने की लागत समय पर प्राप्त नहीं की गई थी चार से पांच माह का विलम्ब था।
		रायगढ़, रत्नागिरी कोल्हापुर	147	2013-14	<ul style="list-style-type: none"> 16 प्रतिशत विद्यालयों में अनाज की आपूर्ति नियमित नहीं थी तथा बाधा पाई गई थी।

मध्याह्न भोजन योजना की निष्पादन लेखापरीक्षा

		सिधंदुर्ग			<ul style="list-style-type: none"> • शत प्रतिशत विद्यालयों में भोजन पकाने की लागत समय पर प्राप्त नहीं की गई थी एक माह से अधिक का विलम्ब था।
9.	ओडिशा	पुरी खोरधा, जगतसिंहपूर, नयागढ़, कटक	200	2010-11	<ul style="list-style-type: none"> • सभी विद्यालयों में भोजन पकाने की लागत कभी भी पहले प्राप्त नहीं की गई थी। भोजन पकाने की लागत प्राप्त करने में 1 माह से 2 वर्ष तक का विलम्ब था। • अधिकांश विद्यालयों द्वारा अनाज नियमित रूप से प्राप्त किया जा रहा था परंतु कुछ ने दोनो चावल प्रति 50 कि.ग्रा. तैले की 1 से 12 कि.ग्रा. कम की आपूर्ति प्राप्त की थी। • विद्यालयों द्वारा भोजन की साप्ताहिक व्यंजन सूची को प्रदर्शित नहीं किया गया था।
		मयूरभंज	40	2013-14	<ul style="list-style-type: none"> • 42 प्रतिशत विद्यालयों में रसोईघर शैड सह भण्डार उपलब्ध नहीं था। 7 विद्यालयों में रसोईघर शैड का निर्माण किया गया था परंतु उपयोग में नहीं थी। • सभी विद्यालयों में भोजन पकाने हेतु लकड़ी का उपयोग किया जा रहा था। • 73 प्रतिशत विद्यालयों में पर्याप्त रसोई घर उपकरण नहीं थे।
10.	पंजाब	होशियारपुर पटियाला फतेहगढ़ साहिब एस.बी.एस नगर रूपनगर	200	2010-11	<ul style="list-style-type: none"> • होशियारपुर, पटियाला, फतेहगढ़ साहिब तथा रूपनगर में विद्यालय समय पर भोजन पकाने की लागत प्राप्त नहीं कर रहे थे तथा प्राधानाध्यापक करीब की दुकानों से भोजन पकाने की सामग्री तथा सब्जियों आदि का प्रबंध कर रहे थे।
		होशियारपुर	40	2013-14	<ul style="list-style-type: none"> • सभी नमूना जांच किए गए विद्यालयों ने नियमित रूप से भोजन पकाने की लागत प्राप्त नहीं की थी तथा 2-3 महीनों तक देरी से प्राप्त की थी।
11.	राजस्थान	अजमेर बारन बिकानेर	160	2010-11	<ul style="list-style-type: none"> • 33.9 प्रतिशत विद्यालयों में अनाज की आपूर्ति एफ.सी.आई. स्तर पर विलम्ब तथा परिवहन की कमी के

		चित्तोरगढ़			<p>कारण अनियमित थी जिसके परिणामस्वरूप अनाज पास के विद्यालयों से उधार लिया गया था। अनाज को आपूर्ति करने में विलम्ब आमतौर पर 1-4 सप्ताहों का था।</p> <ul style="list-style-type: none"> • आपूर्ति किए गए अनाज की गुणवत्ता को 18.2 प्रतिशत शिक्षकों द्वारा अच्छा बताया गया था जबकि 60.3 प्रतिशत शिक्षकों ने सूचित किया कि यह औसतन था जबकि 21.5 प्रतिशत शिक्षकों ने सुस्पष्ट किया कि अनाज की गुणवत्ता खराब थी। • 67.8 प्रतिशत विद्यालयों ने सूचित किया कि उन्होंने पहले ही भोजन पकाने की लागत प्राप्त नहीं की थी। भोजन पकाने की लागत में विलम्ब 1 माह से 5 माह के बीच था।
		भीलवाड़ा जयपुर बूंदी	120	2010-11	<ul style="list-style-type: none"> • 17.8 प्रतिशत विद्यालयों में अनाज की आपूर्ति विलम्बित थी। • 53.3 प्रतिशत विद्यालयों ने सूचित किया कि भोजन पकाने की लागत प्राप्त करने में दो से तीन महीनों का विलम्ब था। भोजन पकाने की लागत में विलम्ब के मामलों में शिक्षकों ने अपने स्वयं के प्रयासों के माध्यम से आवश्यकताओं को पूरा किया था।
		चूरु, झून्झून हनुमानगढ़	120	2010-11	<ul style="list-style-type: none"> • 32.07 प्रतिशत विद्यालयों में भोजन पकाने की लागत प्राप्त करने में 15 दिनों से एक महीने तक का विलम्ब था।
		प्रतापगढ़ बांसवारा डुंगरपुर	120	2013-14	<ul style="list-style-type: none"> • 90.8 प्रतिशत विद्यालयों में भोजन पकाने की लागत प्राप्त करने में 3 महीनों का विलम्ब था। 51 विद्यालयों में भोजन पकाने की सामग्री को स्थानीय दुकानदारों से उधार लिया गया था। 58 विद्यालयों में प्रधानाचार्यों ने अपनी स्वयं की जेब से भोजन सामग्री हेतु भोजन पकाने की लागत की व्यवस्था की थी। • 10 विद्यालयों में, निर्माण किए गए रसोईघर उपयुक्त घुंआ निकासी की

					कमी, रसोई घर के छोटे आकार आदि के कारण उपयोग में नहीं थे।
		धोलपूर भरतपूर	71	2013-14	<ul style="list-style-type: none"> • 55.17 प्रतिशत विद्यालयों में भोजन पकाने की लागत प्राप्त करने में 16 दिनों से 6 महीनों तक का विलम्ब था।
		बीकानेर जैसलमेर जोधपूर	120	2013-14	<ul style="list-style-type: none"> • 70.3 प्रतिशत विद्यालयों में भोजन पकाने की लागत प्राप्त करने में 3 महीनों का विलम्ब था। विद्यालय का प्रधानाध्यापक अपनी स्वयं की जेब से व्यवस्था कर रहे थे। • केवल 53 प्रतिशत विद्यालयों में पका हुआ भोजन रसोइयों द्वारा प्रदान किया गया था तथा 35 प्रतिशत विद्यालयों में छात्रों द्वारा जबकि 11 प्रतिशत शिक्षकों ने यह कार्य किया था।
12.	त्रिपुरा	पश्चिम त्रिपुरा	42	2010-11	<ul style="list-style-type: none"> • सभी विद्यालय समय पर भोजन पकाने की लागत प्राप्त नहीं कर रहे थे। इसमें तीन माह तक का विलम्ब था। • 37 विद्यालय भोजन पकाने हेतु लकड़ी का उपयोग कर रहे थे। • 15 विद्यालयों में पक्का रसोई घर शैड नहीं था।
		पश्चिम त्रिपुरा ऊनाकोट	80	2013-14	<ul style="list-style-type: none"> • 54 विद्यालय समय पर भोजन पकाने की लागत प्राप्त नहीं कर रहे थे। 3 से 4 महीनों का विलम्ब था। विद्यालयों ने बाजार से क्रेडिट आधार पर भोजन पकाने की मदों की व्यवस्था की थी। • रसोईया-सह-सहायक को कोई प्रशिक्षण प्रदान नहीं किया गया था। • 18 विद्यालयों में स्वास्थ्य जांच नहीं की गई थी। • 9 विद्यालयों में पक्का रसोईघर शैड नहीं था। • 74 विद्यालय भोजन पकाने हेतु लकड़ी का उपयोग कर रहे थे।

13.	उत्तर प्रदेश	सिद्धार्थनगर लखिमपूर बजरामपुर बस्ती श्रावस्ती	185	2010-11	<ul style="list-style-type: none"> • 24 प्रतिशत विद्यालयों में बच्चे भोजन की गुणवत्ता से सतुष्ट नहीं थे। • 148 विद्यालयों में से केवल 28 विद्यालयों ने स्वास्थ्य कार्ड का अनुरक्षण नहीं किया था। 30 विद्यालयों ने बच्चों की स्वास्थ्य जांच नहीं की थी। केवल 33 विद्यालयों में बच्चों में आईरन तथा डी-वार्मिंग द्वाइयों का संवितरण नहीं किया गया था।
		शाहजहांपुर बरेली बदाऊ		2010-11	<ul style="list-style-type: none"> • 28 प्रतिशत विद्यालयों में रसोईघर सह भण्डार उपलब्ध नहीं था।
		फिरोजाबाद मैनपूरी झांसी बांधा अलीगढ़	185	2013-14	<ul style="list-style-type: none"> • 29.19 प्रतिशत विद्यालयों में अनाज की आपूर्ति अनियमित थी। • 69 प्रतिशत विद्यालयों में भोजन पकाने की लागत प्राप्त करने में 2 से 3 महीनों का विलम्ब था। प्रधानाध्यापक अथवा ग्राम पंचायत के प्रधान योजना को जारी रखने के लिए स्थानीय व्यापारियों से क्रेडिट पर वस्तुएं लाए थे। • 19 प्रतिशत विद्यालयों में रसोईघर शैड सह भण्डार उपलब्ध नहीं थे।
14.	उत्तराखंड	हरिद्वार पौड़ी उत्तरकाशी	120	2010-11	<ul style="list-style-type: none"> • 40 प्रतिशत विद्यालयों में चावल का एक महीने के सुरक्षित भण्डार का अनुरक्षण नहीं किया गया था। • पौड़ी तथा उत्तरकाशी में 40 प्रतिशत विद्यालयों में पेय जल सुविधा नहीं थी।
		देहरादून हरिद्वार टिहरी गढ़वाल	120	2013-14	<ul style="list-style-type: none"> • 12 प्रतिशत में चावल के एक महीने के सुरक्षित भण्डार का अनुरक्षण नहीं किया गया था। • 6 प्रतिशत विद्यालयों में पेय जल सुविधा नहीं थी।
15.	पश्चिम बंगाल	बीरभूम बांकूरा	80	2010-11	<ul style="list-style-type: none"> • 69 प्रतिशत विद्यालय समय पर भोजन पकाने की लागत प्राप्त नहीं कर रहे थे। प्राधानाध्यापकों ने भोजन

					<p>पकाने की लागत को पूरा करने की व्यवस्था थी।</p> <ul style="list-style-type: none"> • 80 विद्यालयों में, से 41 विद्यालयों में रसोईघर सह भण्डार शैड नहीं था। • दौरे के दिन प्राथमिक कक्षाओं में 2838 बच्चे तथा उच्च प्राथमिक कक्षाओं में 1813 बच्चे तथापि विद्यालय के अभिलेख के अनुसार पिछले दिन प्राथमिक कक्षाओं में 4159 बच्चों तथा उच्च प्राथमिक कक्षाओं में 1749 बच्चों ने एम.डी.एम. प्राप्त किया था।
		हृगली, पुरुलिया कोलकात्ता	127	2013-14	<ul style="list-style-type: none"> • 55.11 प्रतिशत विद्यालयों में अनाज की आपूर्ति अनियमित थी। • 98.42 प्रतिशत विद्यालय नियमित रूप से भोजन पकाने की लागत प्राप्त नहीं कर रहे थे। विद्यालयों के प्राधानाध्यापकों ने अपनी स्वयं की जेब से भोजन पकाने की लागत को पूरा करने की व्यवस्था की है। • 66 प्रतिशत विद्यालयों में बच्चों में सूक्ष्मपोषकों का संवितरण नहीं किया गया था। • पेय जल सुविधा 2 विद्यालयों में उपलब्ध नहीं थी। • 36 विद्यालयों में रसोईघर शैड उपलब्ध नहीं थे।